R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 120
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 7 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

3 डूंग जी महाराज की पुण्यतिथि पर संतों का जुटान
5 छात्रावास में चल रहे मरम्मत कार्य में अनियमितता ...
7 कंगना ने फिल्म का काम फिर से शुरू किया, ...

क्रिकेटर मोहम्मद शमी, एक्टर और टीएमसी सांसद को भी नोटिस, बंगाल एसआईआर में सुनवाई के लिए बुलाया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उनके भाई मोहम्मद कैफ को भारतीय चुनाव आयोग के समक्ष विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस दक्षिण कोलकाता के जादवपुर इलाके के कार्तजू नगर स्कूल से आधिकारिक तौर पर जारी किया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शमी कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के वार्ड नंबर 93 के मतदाता हैं, जो राशबेहारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। शमी की सुनवाई 9 से 11 जनवरी के बीच निर्धारित की गई है। सोमवार को निर्धारित सुनवाई में शमी उपस्थित नहीं हो सके क्योंकि वे राजकोट में विजय हजारे ट्रॉफी में बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर चुनाव आयोग को सूचित किया है कि वे बाद में सुनवाई के लिए उपस्थित होंगे। एसआईआर की सुनवाई प्रक्रिया 27 दिसंबर से शुरू होने के साथ ही भारतीय तेज गेंदबाज क्रिकेटर मोहम्मद शमी और टीएमसी सांसद और अभिनेता देव और उनके परिवार के सदस्यों को सुनवाई के लिए बुलाया गया है। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्वाचन आयोग के एक पर्यवेक्षक ने कहा कि शमी की सुनवाई की तारीख 5 जनवरी तय थी। वह राजकोट में खेल रहे थे। मैपिंग हिस्से में कुछ डेटा गायब था।

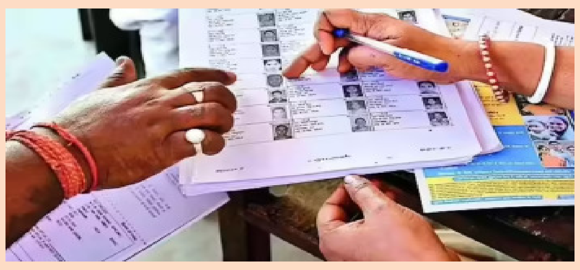

जी राम जी योजना पर सीएम योगी बोले

पहले डकैती डालकर बेरोजगारी की ओर धकेला अब बनेगी विकसित भारत की आधारशिला

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि संसद में विकसित भारत को गति देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा पारित किया गया नया अधिनियम (जी राम जी योजना) देश की अर्थव्यवस्था, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण पहल के लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से अभिनंदन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों तक संसाधनों पर डकैती डालकर देश को बेरोजगारी की ओर धकेला, आज उन्हें अपनी पोल खुलने का डर सता रहा है।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन विकास से जुड़े सकारात्मक कदमों का समर्थन करने के बजाय भ्रष्टाचार के अपने पुराने कारनामों को छिपाने के लिए सवाल खड़े कर रहे हैं। योगी ने कहा कि जी राम जी योजना विकसित भारत की आधारशिला बनेगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नई तकनीक को जोड़ा जा रहा है, जिससे जल संरक्षण, बाढ़ प्रबंधन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विकास संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने मनरेगा पर कांग्रेस के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन योजनाओं का ढोल पीटा जा रहा है, उनका जमीनी हकीकत से कोई लेना-देना नहीं रहा। हर जनपद से भ्रष्टाचार की शिकायतें आती थीं। किसानों को जरूरत के समय मजदूर नहीं मिलते थे और मजदूरों को काम के समय काम नहीं मिलता था। उन्होंने बताया कि नए संशोधन के तहत योजना में कार्य दिवसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 कर दी गई है। समय पर काम नहीं मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते की गारंटी भी होगी। किसानों की जरूरत को देखते हुए आवश्यक समय पर मनरेगा के कार्य स्थगित रखे जाएंगे।

योगी ने कहा कि जो लोग केवल खोदने और भरने से लाभ उठाते थे, वही इस योजना का विरोध कर रहे हैं। अब कार्यों को तकनीक से जोड़ा जाएगा, डिजिटल भुगतान होगा और रियल टाइम ऐप के माध्यम से निगरानी की जाएगी। योजना के अंतर्गत ऑडिट की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में मनरेगा में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए, जिनकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना में केंद्र और राज्य की भागीदारी 60:40 की रहेगी, जिससे उत्तर प्रदेश को करीब 17 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि मिल सकेगी।

जिन राज्यों में श्रमिक वर्ग की संख्या अधिक है, उन्हें अधिक कार्य उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि रोजगार आत्मनिर्भरता का आधार बनेगा और इससे स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा। उत्तर प्रदेश सरकार इस योजना को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू करेगी। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप इसे प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाएगा। योगी ने कहा कि जिनकी सोच में कभी विकसित भारत नहीं रहा, वही लोग आज इसका दुष्प्रचार कर रहे हैं।

जेएनयू नारेबाजी पर गिरिराज का बड़ा बयान उमर खालिद और शरजील के समर्थक देशद्रोही

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित नारेबाजी को लेकर उठे विवाद के बीच, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को परिसर के माहौल की कड़ी आलोचना करते हुए इसे टुकड़े-टुकड़े गिरोह का अड्डा बताया। सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और आरजेडी, टीएमसी और वामपंथी दलों के सदस्यों सहित राष्ट्र-विरोधी मानसिकता वाले लोग ऐसी गतिविधियों का समर्थन करते हैं। स्वामी विवेकानंद का हवाला देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि अंततः राष्ट्रवाद की ही जीत होगी।

उन्होंने आगे चेतावनी दी कि उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोगों का समर्थन करने वालों को, जिन पर उन्होंने पाकिस्तान समर्थक विचार रखने और रणनीतिक 'चिकन नेक' कॉरिडोर को अलग करने की वकालत करने का आरोप लगाया, देशद्रोही समझा जाना चाहिए। सिंह ने कहा कि जेएनयू 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' और राहुल गांधी जैसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता वाले लोगों का अड्डा बन गया है, चाहे वे आरजेडी, टीएमसी या वामपंथी दलों से हों। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह भारत है, यह 21वीं सदी का नरेंद्र मोदी का भारत है। विवेकानंद ने कहा था कि भगवा रंग की जीत होगी... मैं 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' को बताना चाहता हूं कि उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोगों का समर्थन करने वाले, जिन्होंने पाकिस्तान समर्थक भावनाएं रखीं और चिकन नेक कॉरिडोर को अलग करने की बात की, वे देशद्रोही हैं।

जेएनयू में पीएम मोदी के खिलाफ नारे, भाजपा का तीखा हमला- ये भारत विरोधी शहरी नक्सली गिरोह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित नारेबाजी की कड़ी निंदा की। नारों की निंदा करते हुए उन्होंने कांग्रेस और वामपंथी दलों को 'भारत विरोधी शहरी नक्सली गिरोह' बताया और आरोप लगाया कि वे उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे व्यक्तियों और उनके वोट बैंक की राजनीति को राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर रखते हैं।

पूनावाला ने एएनआई से कहा कि इससे पता चलता है कि वे भारत विरोधी शहरी नक्सली गिरोह हैं जो हमेशा उमर और शरजील जैसे लोगों और उनके वोट बैंक को राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर रखते हैं... चाहे कांग्रेस हो, वामपंथी हों या जेएनयू में उनका संगठन, वे हमेशा भारत विरोधी तत्वों के साथ खड़े रहते हैं। पूनावाला के अलावा, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने भी सोमवार को जेएनयू में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के खिलाफ हुई नारेबाजी की आलोचना करते हुए इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया।

सूद ने पत्रकारों से कहा कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने के बाद इस तरह की नारेबाजी दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है... शरजील इमाम ने पूर्वोत्तर भारत को अलग करने के लिए चिकन नेक कॉरिडोर को काटने की बात कही थी। उमर खालिद ने 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' के नारे लगाए... मैं इसे राजद्रोह मानता हूं। ये टिप्पणियां सोमवार को जेएनयू के छात्रों के एक समूह द्वारा परिसर में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाने के बाद आईं। ये नारे सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद लगाए गए थे।

इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए, एबीवीपी की जेएनयू इकाई के उपाध्यक्ष मनीष चौधरी ने दावा किया कि परिसर में नारे लगाए गए थे और कहा कि इस तरह की नारेबाजी आम हो गई है। उन्होंने कहा कि कल जेएनयू में नारे लगाए गए। जेएनयू में इस तरह की नारेबाजी अब आम बात हो गई है। एबीवीपी-आरएसएस के करोड़ों कार्यकर्ता हैं। क्या वे करोड़ों कार्यकर्ताओं के करोड़ों गड्ढों को खोदने की बात कर रहे हैं? हम उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हैं।

अमर्त्य सेन को नोटिस भेजा गया, चुनाव आयोग अभिषेक बनर्जी ने साधा निशाना

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुनवाई के लिए नोटिस भेजकर चुनाव आयोग बंगाल के नागरिकों को निशाना बना रहा है। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और अभिनेता-राजनेता देव को भेजे गए एसआईआर नोटिस का जिक्र करते हुए अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री को भी चुनाव आयोग के समक्ष तलब किया गया है, और इस घटनाक्रम को 'दुखद' बताया।

उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है। उन्होंने भारत के लिए नोबेल पुरस्कार जीतने वाले अमर्त्य सेन को नोटिस भेजा है, जिन्होंने देश को समृद्ध बनाया और विश्व स्तर पर उसे और अधिक प्रसिद्धि दिलाई। उन्होंने विश्व कप में भारत के लिए खेलने वाले क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी नोटिस भेजा है।

'स्लिम एंड ट्रिम बाल लुक'

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की बच्चों को सलाह, एक्स पर वीडियो हिट

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, लेकिन इस बार किसी राजनीतिक या शासन संबंधी बयान के लिए नहीं। मुख्यमंत्री का स्कूली बच्चों के साथ बातचीत करते हुए यह छोटा और हास्यपूर्ण वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और कई लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं प्लेटफॉर्म ट्विटर पर साझा किए गए इस वीडियो में वे कई छात्रों से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक मजेदार क्षण में, बातचीत के दौरान वे एक छोटे बच्चे के बालों को हल्के से खींचते हैं, जिससे आसपास के लोग हंसने लगते हैं।

छात्रों को सलाह देते हुए, मुख्यमंत्री ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'मैं समझता हूं कि मेरे भतीजों के बाल पतले और सुडौल होने चाहिए।' इस कथन ने श्रोताओं के दिलों को छू लिया, विशेषकर असम के लोगों को, क्योंकि वहां बच्चे उन्हें आमतौर पर 'मामा' कहकर पुकारते हैं, जो कुछ संस्कृतियों में मां के भाई के लिए इस्तेमाल होने वाला उपनाम है। यह उपनाम उनकी सार्वजनिक छवि को एक ऐसे मिलनसार नेता के रूप में दर्शाता है जो औपचारिक परिवेश से परे लोगों, विशेषकर बच्चों के साथ सहजता से बातचीत करते हैं। यह वायरल वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब असम सरकार छात्रों और परिवारों के लिए लक्षित कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में अग्रणी रही है। चुनावों के नज़दीक आने के साथ, राज्य सरकार ने नव वर्ष के दिन स्नातक और स्नातकोत्तर पुरुष छात्रों के लिए एक नई लाभार्थी योजना शुरू की। इसके साथ ही, सरकार ने अपने प्रमुख 'ओरुनोदोई' कार्यक्रम के तहत लगभग 37 लाख महिला लाभार्थियों के लिए 8, 000 रुपये के 'बिहू उपहार' की घोषणा की।

2024 में, सरकार ने बाल विवाह को रोकने के प्रयासों के तहत 'निजुत मोइना' पहल भी शुरू की। इस पहल के तहत, सरकार उच्च माध्यमिक से स्नातकोत्तर स्तर तक शिक्षा प्राप्त कर रही छात्राओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने 1 फरवरी को 'बाबू असोनी' योजना की शुरुआत की घोषणा की, जो पुरुष छात्रों के लिए कल्याणकारी योजना लागू करने की मांग के जवाब में है। इस योजना के तहत, पात्र स्नातकोत्तर छात्रों को 2, 000 रुपये प्रति माह और स्नातक छात्रों को 1, 000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। शर्मा ने बताया कि यह योजना 4 लाख रुपये तक की वार्षिक घरेलू आय वाले परिवारों पर लागू होगी।

जिलाधिकारी ने की सोशल सेक्टर कार्यों की प्रगति की समीक्षा

सभी पात्र लोगों को पेंशन योजना से लाभान्वित करने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कार्यालय कक्ष में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ सोशल सेक्टर की बैठक कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने छात्रवृत्ति की समीक्षा के दौरान संस्थानों द्वारा पूर्वदशम् छात्रवृत्ति के डाटा को अग्रसारित करने के अनुश्रवण कार्य में लापरवाही पाए जाने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होने कहा कि संस्थानों से समन्वय कर दशमोत्तर छात्रवृत्ति के डाटा को समयबद्ध अग्रसारित कराना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने पेंशन की समीक्षा के दौरान कहा कि सर्वे कराकर छूटे हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहने पाए।

जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को पारिवारिक लाभ योजना के अन्तर्गत लम्बित आवेदनों को निस्तारित करने तथा वृद्धाश्रम में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में कराए जा रहें कार्यों की समीक्षा के दौरान राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय करारी एवं भरसवां के शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में बच्चां की उपस्थिति और बढ़ाने तथा नोडल अधिकारियों को नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी से कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष ओ-लेवल एवं ट्रिपल सी में बच्चों को प्रशिक्षण दिलवाया जाय। उन्होंने कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत लम्बित आवेदनों को निस्तारित कराकर पात्रों को लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ओम प्रकाश सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशित

मतदेय स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची जनसामान्य के अवलोकन के लिए उपलब्ध

दावें और आपत्तियां 06 जनवरी से 06 फरवरी तक प्राप्त की जायेंगी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अमित पाल ने अवगत कराया है कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 04 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक की अवधि में बी0एल0ओ0 द्वारा गणना प्रपत्रों के एकत्रीकरण कार्य के सम्बन्ध में जनपद में कुल मृतक मतदाताओं की संख्या 39830, अनुपस्थित 42606, शिफ्टेड 103481, डबल 30475 एवं अन्य 3306 कुल 219698 मतदाताओं के चिन्हांकन उपरान्त उनके नामों को हटाते हुए निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 06 जनवरी 2026 (मंगलवार) को जनपद स्तर पर, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय (तहसील) में सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा, प्रत्येक पदाभिहित स्थलों (मतदान केन्द्र) एवं मतदेय स्थलों पर सम्बन्धित बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा कर दिया गया है। मतदेय स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची जनसामान्य के अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेंगी।

जिलाधिकारी ने जनसामान्य को सूचित किया है कि वे आलेख्य प्रकाशन दिवस 06 जनवरी 2026 को प्रकाशित की गयी आलेख्य मतदाता सूची का अवलोकन मतदेय स्थलों पर कर सकते हैं। दावे और आपत्तिया 06 जनवरी 2026 (मंगलवार) से 06 फरवरी 2026 (शुक्रवार) तक प्राप्त की जायेंगी तथा उनका निस्तारण 27 फरवरी 2026 (शुक्रवार) तक किये जाने के लिए आयोग द्वारा समय-सीमा निर्धारित की गई है। आयोग द्वारा 04 अर्हक तिथियां निर्धारित की गयी हैं। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि के दौरान यदि कोई मतदाता 01 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के अतिरिक्त 01 अप्रैल, 2026, 01 जुलाई, 2026 व 01 अक्टूबर, 2026 को अर्ह हो रहे हैं, तो ऐसे मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए फार्म-6 भरकर सम्बन्धित बूथ लेवल अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के पास जमा कर सकतें है एवं नामावली से नाम अपमार्जित करान के लिए फार्म-7 तथा निर्वाचक नामावली की किसी प्रविष्टि में संशोधन करने/मतदाता फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन/दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन करने/निवास परिवर्तन हो जाने के संबंध में फार्म-8 एवं घोषणा पत्र भरकर सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने ग्राम केसारी का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने बी.डी.ओ. को सभी पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को विकास खण्ड कड़ा की ग्राम-केसारी का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि केसारी ग्राम में प्रधानमंत्री आवास प्लस सर्वे के अन्तर्गत डोर-टू-डोर सर्वे कर गरीब व आवासहीन 103 पात्र परिवारों का नाम आवास प्लस सूची में जोड़ा गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी पात्र परिवार छूटने न पाए तथा उप जिलाधिकारी से समन्वय कर आवास बनाए जाने के लिए आवश्यकतानुसार भूमि चिन्हित किया जाय।

जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी से कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूह में जोड़ा जाय तथा ग्राम के पात्र लोगों को राशन कार्ड सहित अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित किया जाय। सफाई कर्मी से नियमित रूप से ग्राम की साफ-सफाई कराई जाय। ग्राम में मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही किया जाय। उन्होंने कार्य में लापरवाही/ग्राम से सम्बन्धित आवश्यक जानकारी न होने पर सचिव, ग्राम पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए।

चोरों का फिर हौंसला बुलंद ट्रांसफॉर्मर से उड़ाए तेल-उपकरण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सिराथू क्षेत्र के जानकीपुर गांव के समीप रविवार रात 11 हजार लाइन ब्लास्ट कर चोरों ने ढाई सौ केवीए के ट्रांसफॉर्मर से तेल व अन्य उपकरण पार कर दिए। इससे करीब ढाई सौ घरों की 18 घंटे तक बिजली गुल रही। प्रभावित लोगों को पेयजल सहित अन्य समस्याओं से जूझना पड़ा। दूसरा ट्रांसफॉर्मर लगाकर सोमवार की शाम करीब छह बजे आपूर्ति शुरू हुई।

ज्ञात हो कि जानकीपुर गांव के समीप धाता मार्ग के किनारे लगे सिराथू विद्युत उपखंड क्षेत्र के टाउन फीडर के ट्रांसफॉर्मर को चोरों ने आपूर्ति बंद कर रात करीब 12 बजे नीचे गिरा दिया। इसके बाद कटर मशीन से काटकर 200 लीटर तेल, बुश सहित अन्य उपकरण उठा ले गए। इससे जानकीपुर व गुलहरिया वार्ड के ढाई सौ घरों की बिजली आपूर्ति बंद हो गई।

लाइनमैन ने मौके पर पहुंचकर इसकी जानक जानकारी एसडीओ सहित अन्य अधिकारियों को दी।

इसके पूर्व भी ट्रांसफार्मर से इस प्रकार की चोरियां हो चुकी है। अवर अभियंता आशीष कुमार मौर्य ने इस प्रकरण से पुलिस को अवगत कराया। एसडीओ रमाशंकर पाल ने बताया कि चोर करीब पांच लाख रुपये के सामान उड़ा ले गए। इसकी तहरीर सैनी पुलिस को देकर विभाग के उच्चाधिकारियों को भी जानकारी दे दी गई है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोप में वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में राजकुमार सिह प्रभारी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ के कुशल निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक संतोष यादव मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अं0सं0 227/2025 धारा 137(2), 87, 64(2), बीएनएस व 5थ/6 पोक्सो एक्ट व 3(2) SC/ST Act से सम्बन्धित अभियुक्त मुस्ताक पुत्र अल्ताफ हुसैन उर्फ लल्ले निवासी ग्राम हरखड़ी थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर को पतारसी सुरागरसी व मुखबीर खास की सूचना पर कस्बा शोहरतगढ मे चेतिया मोड के पास से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचक नामावलियों की प्रति मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को किया प्रदान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अमित पाल ने एन.आई.सी. सभागार में मंगलवार को आलेख्य रूप से प्रकाशित की जाने वाली निर्वाचक नामावलियों की एक-एक प्रति जनपद के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो (भारतीय जनता पार्टी, सामाजवादी पार्टी, कांग्रेस पार्टी एवं बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों को उपलब्ध कराया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शालिनी प्रभाकर उपस्थित रहीं।

माता की पुण्य स्मृति में गरीब लोगों को ठंड से बचने के लिए समाजसेवी ने गर्म वस्त्र किया वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में लोग कडाके की ठंड में लोग ठीकुरने पर मजबूर हैं वहीं सामाजिक संस्था से लेकर प्रशासनिक अमला भी गरीबों में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कंबल वितरण करने का काम कर रहा है। तो वहीं दूसरी तरफ सिद्धार्थनगर के बांसी तहसील के बिहरा गांव के निवासी समाजसेवी विनोद कुमार शुक्ल ने गरीबों में कंबल वितरण किया। हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी समाजसेवी विनोद कुमार शुक्ल ने अपनी माता जी की पुण्य स्मृति के दौरान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें क्षेत्रीय गरीब, मजबूर और मजदूर लोगों में कंबल, जाकेट, टोपी, मोजा सहित गर्म कपड़े बांटे ।इस कड़ाके की ठंड में गर्म कपड़े पाकर लोगों के चेहरे खिल गए। और लोगों ने कार्यक्रम आयोजक की सराहना भी इस दौरान पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद पांडे ने कहां की समाज आज अंग्रेजी सभ्यता पर चल रहा है और बर्थडे मना रहा है वही आज युवा पीढ़ी को बर्थडे ना मना कर अपने पूर्वजों की याद में इस तरह का कार्यक्रम आयोजन करना चाहिए जिससे समाज को एक नई दिशा और दशा मिल सके।

वहीं कार्यक्रम को लेकर विकास मिलेट्री के प्रोपराइटर विनोद कुमार शुक्ला ने बताया बिना जनता के सहयोग से ना कोई मैं एनजीओ चलाता हूं और ना कोई राजनेता हूं सिर्फ अपनी मां की पुण्य स्मृति में हर वर्ष कड़ाके की ठंड में गरीब मजदूर मजबूर लोगों को गर्म कपड़े देकर आशीर्वाद प्राप्त करता हूं वर्तमान समय में गोरखपुर में निवास करने वाले शुक्ल ने बताया की आज समाज के सभी वर्गों को बाढ़-चलकर हिस्सा लेना चाहिए आगे चलकर हमारी नई पीढ़ी भी इस परंपरा को जीवित रखने का प्रयास करेगी और यह मेरे क्षेत्र और जनता का आशीर्वाद है कि मैं आज इन लोगों के बीच उनकी कुछ मदद कर पा रहा हूं। जिसमें आजाद शुक्ला, सुंदर शुक्ला, हंसराज यादव, जितेंद्र मिश्रा, प्रमोद जायसवाल, प्रेम शंकर पांडे, दिनेश शुक्ला, राधेश्याम द्विवेदी, शुभांगी द्विवेदी, समाजसेवी देवेश मणि त्रिपाठी, गोविंद शुक्ला।सहित भारी संख्या में क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों ने हिस्सा लेकर विनोद कुमार शुक्ल की पूज्य माताजी विंध्यवासिनी देवी की पुण्य स्मृति में प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज दुर्गा देवी इण्टर कालेज, ओसा में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मंगलवार को आलेख्य रूप से प्रकाशित की गई निर्वाचक नामावलियों एवं 18 वर्ष आयु पूर्ण कर रहें नये मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फार्म-6 प्राप्त करने के सम्बन्ध में मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

प्रेस क्लब और ग्रामीण पत्रकार एसोसियन की संयुक्त बैठक सम्पन्न

सर्वसम्मति से राहुल यादव को बनाया गया कार्यवाहक तहसील प्रेस क्लब अध्यक्ष

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सदर तहसील के करारी कस्बा स्थित पत्रकार कार्यालय में मंगलवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन एवं प्रेस क्लब के संयुक्त बैनर तले एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सदर तहसील क्षेत्र के दर्जनों पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।बैठक का नेतृत्व प्रेस क्लब के संरक्षक एवं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष रमेश चंद्र अकेला ने किया। उन्होंने सर्वप्रथम उपस्थित सभी पत्रकार साथियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की। इसके साथ ही पत्रकारों ने नव वर्ष पर एक दूसरे को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।बैठक में सर्वसम्मति से पत्रकार राहुल यादव को प्रेस क्लब तहसील का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया। राहुल यादव के कार्यवाह अध्यक्ष बनते ही पत्रकारों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्रेस क्लब के जिला महामंत्री अरशद खान, सदर तहसील प्रेस के संरक्षक मनोज सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हारून अहमद, बृजनंदन द्विवेदी, कमलेश गौतम, इरफान अहमद सुनील चौधरी, बजरंगी अग्रहरि, गणेश वर्मा, जैगम रिज़वी, लवलेश कुमार, मेराज शेख, अनवर अली, इंद्रजीत गौतम, शहजाद आलम, मुश्ताक अहमद सहित दर्जनों पत्रकार शामिल रहे।

पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए साइबर फ्रॉड के रुपए को कराया वापस

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा साइबर जागरूकता अभियान व साइबर अपराध की रोकथाम के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के पर्यवेक्षण में थाना खेसरहा क्षेत्र में हुए साइबर फ्रॉड से सम्बंधित आवेदक आवेदिका उषा देवी निवासनी ग्राम पचपेड़वा थाना खेसरहा द्वारा एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराया गया कि आवेदिका के बैंक खाते से ईएइ के माध्यम से कुल 4000/- रुपये निकाल लिया गया था । जिसके जांच के क्रम में अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष खेसरहा के नेतृत्व में उप निरीक्षक रविप्रताप सिंह सेंगर जाँचकर्ता व उप निरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप यादव प्रभारी साइबर सेल थाना खेसरहा मय साइबर सेल के प्रयास से फ्राड हुए कुल 4000/- रुपये को आवेदक के खाते में वापस कराया गया।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में सुधार करने के लिए दी जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारम्भ बुद्ध बालिका महाविद्यालय, गौतमपल्ली, भीमापार से किया गया।

भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 06.01.2026 से 06.02.2026 तक है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची दिया गया है। सभी लोग सूची में अपना नाम देख सकते है उसमें यदि कोई त्रुटि है तो आपत्ति एवं दावे 06.02.2026 तक दिये जायेगे जिसका निस्तारण कराया जायेगा। अन्तिम प्रकाशन 06.03.2026 को कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने उपस्थित बच्चों से कहा कि आप लोग फार्म-06 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा ले। यदि किसी को कोई समस्या हो तो सम्बन्धित बीएलओ से सम्पर्क कर सकते है अथवा तहसील से भी सम्पर्क कर सकते है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य किया जा रहा है। वेबसाइट www.ceouttarpradesh.nic.in बटन पर क्लिक करके मतदाताओं द्वारा अपने से संबंधित विवरण की पुष्टि की जा सकती है। मतदात https://electoralsearch.in पर भी अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते है। अपने मोबाइल में Ecinet App Voter एवं Help Line App डाउनलोड करके भी उक्त सेवायें प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त उपजिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानप्रकाश, व अन्य सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

माघ मेला हमारी शाश्वत संस्कृति का जीवंत स्वरूप : प्रो. मार्तण्ड सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम तट पर माघ मेला की पवित्र भूमि में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं के मन में आध्यात्मिक चेतना, जिज्ञासा और भक्ति-भाव जागृत हो उठता है। यह हमारी चिरंतन एवं शाश्वत संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। उक्त विचार मंगलवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित शब्द-ब्रह्म संगोष्ठी में प्रोफेसर मार्तण्ड सिंह ने माघ मेला महात्म्य : एक समेकित शाश्वत चिंतन विषय पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने रामचरितमानस में माघ मेले के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा है–माघ मकरगति रवि जब होई, तीरथपतिहिं आव सब कोई।माघ मेला क्षेत्र पुराणों, निगमों और आगमों से प्रवाहित हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और संस्कारों की धरोहर है। संगम तट पर प्रकृति स्वयं गेरुए स्वरूप में उपस्थित प्रतीत होती है, जो जनसैलाब के आकर्षण का प्रमुख कारण है– तीर्थराजो जयति प्रयागः।

इसके बाद सरस्वती पत्रिका के संपादक अनुपम परिहार ने कहा कि माघ मेला ज्ञान, आस्था, अनुष्ठान और विज्ञान का अद्भुत संगम है। यहाँ ज्ञान-पिपासु सत्य की खोज में आते हैं, जबकि सामान्य जन कल्पवास और पुण्य स्नान के माध्यम से आत्मशुद्धि की कामना करता है। उन्होंने गंगाजल की वैज्ञानिक विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रह्मनाद कला महोत्सव प्रतियोगिता के तहत काव्य-पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें, वासुदेव पाण्डेय ने पढ़ा संगम के तट पर जब 'राम-नाम' गूँजता है, पत्थर-सा हृदय भी पिघलकर मोम-सा हो जाता है।ङ्गवहीं आरती सिंह ने प्रयागराज की महिमा को शब्दों में पिरोते हुए पढ़ा प्रयागराज की धरा का कण-कण कहता है इक बार प्रयागराज तो आइए। प्यार का वो फरिश्ता अब वो नहीं रहा, राधा कृष्णा का किस्सा अब नहीं रहा। इसके अलावा प्रियंका यादव एवं रविराधेय की काव्य प्रस्तुतियों को भी श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। उन्होंने वक्ताओं को अंगवस्त्र व पौधा देकर स्वागत किया। काव्य-पाठ में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय द्वारा प्रणाम-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आभा मधुर ने किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कलेक्ट्रेट सभागार जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (डी0एच0एस0) एवं स्वास्थ्य विभाग से संबधित योजनाओ की समीक्षा बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा समीक्षा के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी ने उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने हेतु निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ आयुष्मान सेन्टर समय से खुले। जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को निर्देश दिया कि जो आशा डिलीवरी नही करा रही है उन्हें चिन्हित कर नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी एमओआईसी सुनिश्चित कर ले कि डिलीवरी घर पर नहीं होना चाहिए। सभी गर्भवती महिलाओ का प्रसव अस्पताल में ही हो। घर पर प्रसव होने पर एमओआईसी जिम्मेदार होगे। एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय करें जिससे कोई भी गर्भवती महिला व उसके परिजन सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सकें। सभी एमओआईसी वार रूम का निरीक्षण करें। बीएचएनडी दिवस में कम एचआरपी वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका बेहतर इलाज कराये और सावधानियां बरतने का सलाह दें। बीएचएनडी दिवस में सभी लोग जाये। एएनएम, आशा व सीएचओ को सभी प्रकार किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बीएचएनडी दिवस में एएनएम व सीएचओ मिलकर कार्य करें। काम न करने वाले डाक्टर/सीएचओ/आशा/एएनएम को नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। टीकाकरण का शत-प्रतिशत डाटा फीडिंग कराने का निर्देश दिया। फीडिंग में सही मोबाइल नम्बर लिखे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। एएनएम और आशा के साथ बैठक करें। कार्य न करने वाली आशा व सीएचओ के विरूद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा अनटाइड फन्ड, परिवार नियोजन, टीकाकरण अभियान, पी0सी0पी0एन0डी0टी0, रोगी कल्याण समिति, हेल्थ वेलनेस सेन्टर, आदि की समीक्षा की गयी। ई-संजीवनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा मरीजों को टेली मेडिसिन सुविधा उपलब्ध करानें हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी मरीज को परेशान न किया जाये। सभी विकास खण्डों में पब्लिलक नोटिफिकेशन में लक्षण युक्त टी.बी. के मरीजो को चिन्हित करे। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया कि वार रूम का निरीक्षण करे। इमरजेंसी में रेफरल रजिस्टर बनाने का निर्देश दिया। इसके साथ मातृ शिशु मृत्यु दर की समीक्षा की गयी। सम्भव अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि सैम मैम बच्चों को चिन्हित करें।

डूंग जी महाराज की पुण्यतिथि पर संतों का जुटान

हजारों संत- महात्मा और जरूरतमंदों को वितरण किया गया कंबल, देर शाम तक चलता रहा अन्नक्षेत्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सेक्टर छह स्थित डूंग जी महाराज संस्थान (भूरा मठ) में मंगलवार को स्वामी हरीश्वरानंद तीर्थ जी की पुण्यतिथि मनाई गई। यहां दंडी सन्यासियों का जुटान हुआ। उन्हें भूरा मठ की तरफ से प्रसाद और कंबल वितरित किया गया। हजारों सन्त महापुरुषों सहित जरूरतमंद लोगों में कम्बल का पुनः वितरण हुआ।

दंडी समाज के प्रवक्ता विद्यामार्तंड अरविंद स्वामी जोशी ने बताया कि प्रतिवर्ष माघ मास में उनकी पुण्यतिथि मनाई जाती है। इस लिहाज से मंगलवार को भी दंडी समाज से जुड़े संतों एवं आमजनमानस के लिए अन्नक्षेत्र का संचालन किया गया। इस दौरान सभी को प्रसाद के साथ कंबल भी वितरित किए गए। इसके बाद दक्षिणा देकर संतों को विदा किया गया। मठ के व्यवस्थापक आचार्य आदर्श मिश्रा और निखिल के देखरेख में हजारों लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। अरविंद स्वामी ने बताया कि भूरा मठ के संस्थापक ने ताउम्र गोसेवा की। यह सुखद पल है कि उनकी स्मृति में संगम की रेतीली धरा पर संतों का सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि स्वामी डूंग जी भी माघ मास में यहां संतों की सेवा करने आते थे। उन्होंने संतों की सेवा के लिए ही अपनी काफी सम्पत्ति भी न्योछावर कर दी। अरविंद स्वामी ने बताया कि पूरे माघमास नित्य विशाल अन्नक्षेत्र शिविर का संचालन किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का स्वागत करने कल काशी जाएंगे भाजपाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर, यमुना पार एवं गंगा पार के जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं जन-प्रतिनिधि गण काशी जाएंगे। भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का काशी क्षेत्र के अन्तर्गत वाराणसी में प्रथम आगमन हो रहा जिसको लेकर काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष का सुबह 11 बजे गोकुल धाम रिसोर्ट जगतपुर रोहनिया वाराणसी में स्वागत अभिनन्दन का आयोजन किया गया है जिसमें काशी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 16 जिलों के भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

स्व नित्यानन्द स्वामी की 97 वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महानुभावों को किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। आध्यात्मिक चेतना, सेवा-भाव और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को समर्पित स्व. नित्यानन्द स्वामी जी की 97वीं जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी समारोह का आयोजन किया गया। यह गरिमामयी आयोजन परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य, आशीर्वाद एवं उद्बोधन से अभिसिंचित हुआ। समारोह में माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड, पुष्कर सिंह धामी जी ने मुख्य अतिथि के रूप में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सहभाग किया।

कार्यक्रम के अंत में सामूहिक प्रार्थना एवं शांति पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र की समृद्धि और मानव कल्याण की कामना की गई। पूरा वातावरण अध्यात्म, करुणा और सकारात्मक ऊर्जा से आलोकित हो उठा।

स्व. नित्यानन्द स्वामी जी की 97वीं जयंती का यह समारोह न केवल एक स्मृति कार्यक्रम था, बल्कि यह एक संकल्प था, उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का, सेवा और संस्कार के माध्यम से समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का।

संदिग्ध हालात में किशोरी की मौत

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के तारडीह गांव में सोमवार देर शाम 14 वर्षीय किशोरी शुभी पुत्री आशुतोष मिश्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मां वंदना मिश्रा ने मौत को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

कोहरे में मौत को मात! हादसों पर लगाम लगाने की बड़ी पहल

उपनिरीक्षक बारा कमलेश यादव के नेतृत्व में चला विशेष जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के यमुनानगर क्षेत्र में बढ़ते कोहरे और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए बारा पुलिस ने सराहनीय और ज़मीनी पहल की। सीसी टीम के उपनिरीक्षक कमलेश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीमों द्वारा बारा प्रथम क्षेत्र में ट्रक चालकों को विशेष रूप से कोहरे में सुरक्षित वाहन संचालन को लेकर जागरूक किया गया। इस दौरान ट्रक चालकों को बताया गया कि कोहरे के समय हेड लाइट, फॉग लाइट, रिफ्लेक्टर, इंडिकेटर और सुरक्षित दूरी का पालन करना कितना आवश्यक है। साथ ही ओवरस्पीडिंग, अचानक ब्रेक लगाने और गलत लेन में वाहन चलाने से होने वाले घातक परिणामों की जानकारी भी दी गई। उपनिरीक्षक कमलेश यादव ने चालकों को यह भी प्रशिक्षित किया कि कोहरे की स्थिति में धैर्य, सतर्कता और ट्रैफिक नियमों का पालन ही दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है। पुलिस टीम ने स्पष्ट संदेश दिया कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी केवल चालक ही नहीं, बल्कि कई परिवारों की खुशियों को खतरे में डाल सकती है।पुलिस की इस पहल से ट्रक चालकों में सकारात्मक संदेश गया और उन्होंने ट्रैफिक नियमों के पालन का संकल्प लिया। क्षेत्रवासियों ने बारा पुलिस की इस मानवीय और जीवन रक्षक पहल की जमकर सराहना की।

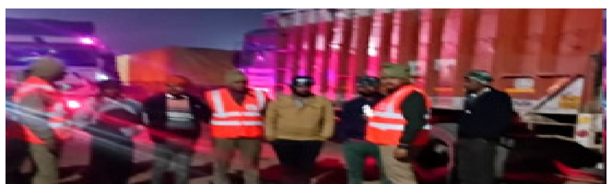

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जनपद में सड़क दुर्घटना माह दिसम्बर, 2024 में 149 की तुलना में माह दिसम्बर, 2025 में 133 सड़क दुर्घटना हुई। जिसमें 10 प्रतिशत की कमी परिलक्षित हुई है। आगामी माह में सड़क दुर्घटनाओं में 60 प्रतिशत कमी लाये जाने के निर्देश दिये गये। पिछली बैठक में अलोपीबाग फ्लाईओवर एवं पत्थर गिरजा घर के सामने (धरना स्थल) महाकुम्भ के दौरान रखे गये बोल्डर को हटाकर पैदल यात्रियों के खोले जानें हेतु निर्देशित किया गया था, जिसके परिप्रेक्ष्य में समिति की स्थलीय निरीक्षण आख्या 12 दिसंबर 2025 के आधार पर सम्बंधित विभागों से अनुमति के उपरान्त मेला अवधि व्यतीत हो जानें के पश्चात पैदल यात्रियों के लिए खोले जानें सम्बंधी प्रभावी कार्यवाही की जाय। परिवहन विभाग व पुलिस विभाग यातायात को निर्देशित किया गया कि अपर जिलाधिकारी (नगर) प्रयागराज से आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए जनपद में ई-रिक्शा के संचालन हेतु विस्तृत प्लान तैयार कर कलर कोडिंग करते हुए रूट निर्धारित कर चलाये जायें। सिविल लाइन्स एरिया में नो ई-रिक्शा जोन घोषित किये जानें सम्बंधी प्रभावी कार्यवाही की जाय। नो फ्यूल नो हेल्मेट के प्रभावी कियान्वयन हेतु परिवहन विभाग व पुलिस विभाग को निर्देश दिये गये। नगर निगम व पीडीए को निर्देशित किया गया कि पी0ए0 सिस्टम कियाशील रखते हुए सड़क सुरक्षा जागरूकता के कार्यक्रम चलाये जायं। परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि बिना फिटनेस वाहन संचालन करने वाले स्कूली वाहनों सघन प्रवर्तन की कार्यवाही की जाय। रोड सेफ्टी क्लब का गठन कराये जानें हेतु निर्धारित प्रारूप शिक्षा विभाग को उपलब्ध करा दें, तथा परिवहन यान की बैठक नियमित रूप से करायी जाय। मुख्यतः जाड़े के मौसम में घने कोहरे के दृष्टिगत वाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप अनिवार्य रूप से लगायें। आईटीएमएस द्वारा किये चालान को प्रतिमाह के चक्र के अनुसार एस0ओ0पी0 पर सूचना उपलब्ध करायी जाय। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि वृहद दुर्घटनाओं के दृष्टिगत शहर से जानें वाले विभिन्न राष्ट्रीय मार्गों के नजदीक ट्रामा सेंटरों व प्राइवेट तथा सरकारी हास्पिटल क्रियाशील रखा जाय। जिससे कि कम समय में समुचित इलाज घायलों/आहतों को दिया जा सके। आगामी बैठक में एस0आई0सी0/प्रिन्सिपल, मेडिकल कालेज, प्रयागराज की जिला सड़क सुरक्षा समिति में प्रतिभाग करने हेतु सूचित किया जाय। सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु विद्यालयों एवं सावर्जनिक स्थलों पर व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाय। समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि शून्य मृत्यु दर (जेडएफडी) कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु सेव लाइफ फाउण्डेशन द्वारा बनाये गये रोड सेफ्टी प्लान के अन्तर्गत क्रिटिकल कॉरीडोर की सूची में दिये गये कोऑर्डिनेट के आधार पर रोड सेफ्टी सर्वे करते हुए आख्या निर्धारित प्रारूप में भरकर एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध करायें। उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बैठक में उठाये गये बिन्दुओं पर शत-प्रतिशत अनुपालन आख्या ससमय उपलब्ध करायी जाय।

डीएम की अध्यक्षता में लेबल कमेटी की बैठक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 अंतर्गत जनपद में गठित जिला स्तरीय दिव्यांगता समिति/जिला अनुश्रवण समिति/जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र संचालन समिति एवं लोकल लेबल कमेटी की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सदस्यों का परिचय एवं किये जा रहे कार्यो के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करते हुए विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति कराने के निर्देश दिये गये साथ ही शासन के निर्देशानुसार मण्डल मुख्यालय में जिला दिव्यांग पुनर्वास की स्थापना करने हेतु चिन्हित आई0ए0एस0ई0 परिसर के रेमेडियल (प्रशिक्षण हाल) को अस्थाई रूप से हस्तगत कराते हुए संचालन प्रारम्भ कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, संयुक्त निदेशक, अभियोजन, जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्राचार्य, आई0एस0एस0ई0, प्रधानाचार्य, राजकीय महिला शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा, डा0 के0एन0 मिश्र प्रधानाचार्य उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय, पूनम सिंह सचिव भाविनी वेलफेयर सोसाइटी, लवलेश सिंह, पंकज श्रीवास्तव, जनपद प्रयागराज उपस्थित रहे।

किसानों ने की महापंचायत तहसीलदार बारा को सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (प्रयाग) की अगुवाई में किसानों ने जसरा बाईपास गौहनिया से अमरेहा, जसरा बाजार होते हुए बाईपास के दूसरे छोर तक जूलूस निकाल कर किसान पंचायत का आयोजन किया ।पंचायत में रीवां मध्य प्रदेश के किसान नेता कमाण्डर अरूण गौतम ने संबोधित करते हुए किसानों के संघर्ष का समर्थन करते हुए कहा एकजुटता पूर्ण संघर्ष से ही किसानों की समस्या का निदान संभव होगा।महासचिव पिंटू चौबे ने बिजली व धान केन्द्रों पर खरीद में अनियमितता आदि मुद्दों की चर्चा करते हुए किसानों से संघर्ष के लिए तैयार रहने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष के के मिश्रा ने दो वर्ष पूर्व जसरा बाईपास निर्माण में किसानों के मुआवजे व सर्विस रोड की मांग को लेकर 56 दिवसीय आंदोलन 5 जनवरी 2024 में हुई शुरूआत की चर्चा करते हुए बताया कि प्रमुख मांग में सर्विस रोड को मंजूरी मिल गई है।उन्होंने सफलता का श्रेय किसानों की एकजुटता व सहयोग को दिया। किसानों की बिजली बिल में मनमानी, धान खरीद में अनियमितता, खाद के संकट, माफियाओं द्वारा अवैध खनन, मजदूरों की समस्या आदि विभिन्न मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखने की बात उन्होंने कही।पंचायत स्थल पर आकर तहसील दार बारा रोशनी सोलंकी ने मुख्यमंत्री को संबोधित विभिन्न मांगो का ज्ञापन लिया तथा स्थानीय स्तर की समस्या के निदान का आश्वासन दिया।मंडल सचिव अनिल बिंद, बीडीसी अरूण शुक्ला शीलू, बब्बन सिंह, पंकज मिश्रा, ऋषि पाण्डेय, विजय बहादुर, विनय शुक्ला ने अपने-अपने विचार ब्यक्त किये। महेन्द्र कुमार कुशवाहा, इंद्रावती, सुनीता, क्रांति, संत लाल, नागेन्द्र त्रिपाठी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पुत्रों की दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा सकट चौथ का निर्जला व्रत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सकट चौथ का व्रत माताओं के लिए अत्यंत पुण्यदाई और फलदाई माना जाता है। यह व्रत विशेष रूप से संतान की लंबी आयु, सुख समृद्धि और सभी कष्टों से रक्षा के लिए रखा जाता है।माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाने वाला सकट चौथ गणेश चौथ का पर्व हिंदू धर्म में विशेष आस्था और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। इसे तिलकुटा चौथ और माघी चौथ गणेश चौथ के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व भगवान गणेश को समर्पित है, जिन्हें विघ्नहर्ता कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माघ कृष्ण चतुर्थी के दिन माता पार्वती ने भगवान गणेश को पृथ्वी पर भेजा था, ताकि वे अपने भक्तों के कष्टों का निवारण कर सकें। तभी से इस तिथि को सकट चौथ के रूप में मनाया जाने लगा।एक कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों के बीच हुए युद्ध में असुरों के अत्याचार से पृथ्वी पर हाहाकार मच गया था। तब देवताओं की प्रार्थना पर भगवान गणेश ने अवतार लेकर असुरों का संहार किया और संसार को संकट से मुक्त कराया। इसी कारण इस दिन को सकट चौथ कहा गया।वहीं दूसरी कथा के अनुसार, एक निर्धन ब्राह्मण की संतान गंभीर रोग से पीड़ित थी। ब्राह्मणी ने विधि-विधान से सकट चौथ का व्रत किया, जिससे भगवान गणेश प्रसन्न हुए और बालक को जीवनदान मिला। सकट चौथ व्रत की एक कथा के अनुसार एक साहूकार और साहूकारनी थे, जिनकी कोई संतान नहीं थी। साहूकारनी ने सकट चौथ का व्रत रखा और भगवान गणेश से प्रार्थना की। भगवान गणेश ने उनकी प्रार्थना सुनी और उन्हें एक पुत्र दिया। लेकिन साहूकारनी ने तिलकुट नहीं किया जिस भगवान गणेश नाराज हो गए और पुत्र के विवाह में अड़चन पैदा हो गया। बाद में साहूकारनी ने अपनी गलती समझी और तिलकुट किया, जिससे भगवान गणेश प्रसन्न हुए और उनके पुत्र का विवाह हो गया। तभी से यह व्रत संतान सुख प्रदान करने वाला माना गया।इस दिन महिलाएं प्रातः स्नान कर व्रत का संकल्प लेती हैं। दिनभर निर्जला या फलाहार व्रत रखा जाता है। शाम के समय चंद्रमा उदय से पूर्व भगवान गणेश की विधिवत पूजा की जाती है।पूजन में तिल, गुड़, लड्डू, मोदक, दूर्वा, फूल, धूप और दीप अर्पित किए जाते हैं। भगवान गणेश को तिल से बने व्यंजन विशेष रूप से प्रिय माने जाते हैं। चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन चंद्र दर्शन से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

सकट चौथ का पर्व ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। महिलाएं सामूहिक रूप से कथा सुनती हैं और गणेश भक्ति में लीन रहती हैं। यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मां की ममता, आस्था और विश्वास का जीवंत उदाहरण है।धार्मिक मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा और भक्ति से भगवान गणेश हर संकट को दूर करते हैं और परिवार में सुख-समृद्धि बनाए रखते हैं।

सम्पादकीय

बाजारवाद की गिरफ्त में इंसान, क्या हम सिर्फ एक 'उपभोक्ता' रह गए हैं?

वर्तमान समय बाजार का समय है। बाजार मनुष्य की सुविधाओं के लिए शताब्दियों से काम करता रहा है। वह मनुष्य के लिए एक जरूरी जरिया है, जिसमें वह अपनी जरूरत की चीजों का लेन-देन करता है। मगर आज यही बाजार किस तरह मनुष्य को अपनी ही इच्छाओं का गुलाम बनने को विवश करने लगा है, कोई भी व्यक्ति इस साधारण-सी प्रक्रिया पर गौर नहीं करता।

हर चीज में, स्थिति में व्यावसायिक अवसर तलाशने की बाजारी प्रवृत्ति ने बाजार को मानव समाज और उसकी संस्कृति के लिए एक ऐसे स्थायी खतरे में तब्दील कर दिया है, जिससे बचने के लिए हर संभव कदम उठाना आवश्यक हो गया है। बिना नियम, नैतिकता, भावना और संवेदना के बाजार मनुष्य को एक ऐसी कठपुतली के रूप में देखता है, जिसे जब चाहे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

अधिकतम लाभ कमाने के लक्ष्य के साथ बाजार ने मानवीय जीवन के हर पहलू और पड़ाव में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया है। वह आपदा में अवसर देखने के आर्थिक दृष्टिकोण को मानते हुए ऐसी अंधी दौड़ में मनुष्य को धकेलता है, जिसका कोई अर्थ किसी के लिए नहीं होता। बाजार हमें आखिर में यही कहता है कि खुद को महसूस करो, खुद की सुंदरता को पहचानो, चीजों को उसके बाह्य दृश्य से नहीं, भावना से परखो।

बाजार यही बात सीधे-सीधे नहीं कहता, क्योंकि सीधे कहने से उसका काम नहीं चलता। वह मनुष्य को झूठे स्वप्न दिखाता है, उसमें हीनता पैदा करता है और भ्रमित करने वाली आकांक्षाएं उपजाता है। वह प्रचार के नारों के माध्यम से एक ऐसी हवा बनाता है, जिसमें व्यक्ति महसूस करता है कि वह जो है, वह खुद सही नहीं है। बाकी दूसरी चीजें अपनी जगह बिल्कुल ठीक हैं। ऐसी हवा पैदा करके ही मनुष्य को दौड़ाया जा सकता है।

बाजार 'जो हम हैं' से 'जो हमें होना चाहिए' की ओर लेकर जाता है। हमारे पास जो है, वह हमारे लिए पूरा नहीं है। दूसरे के पास जो है, वह उसके लिए पूरा नहीं है। इसलिए बाजार सबके लिए जरूरी हो जाता है। क्या आज के समय में हम इसे जरूरत तक सीमित कर सकते हैं?

अक्सर हम देखते हैं कि बाजार हमें सुरक्षा के नाम पर हमारी शिक्षा, नुस्खों, पुरातन तरीकों और जड़ों से अलग करता है और फिर उन्हीं चीजों को चलन बनाकर हम तक पहुंचाता है।

हमारी दिनचर्या में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां लोग अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक तत्त्वों की स्वीकार्यता के लिए बाजार द्वारा चालित सामयिक फैशन की तरफ देखते हैं। इसी वजह से यह संभव होता है कि बाजार उन पुरानी चीजों को, जिन्हें मनुष्य समय के प्रवाह में कई-कई बार छोड़ चुका है, उन्हें भी फैशन के नाम पर चला देता है। अधिकतर लोगों के पास चीजों को देखने का कोई विशेष ढंग नहीं होता, वे दूसरों की हां में हां मिलाते हैं।

हमारे समाज की पूरी मानसिकता 'दूसरे क्या कहेंगे' पर टिकी हुई है, लेकिन जब सब एक जैसा ही हो, तो दूसरे के कहने के लिए कुछ बचता ही कहां है! हम अपने पैसे खर्च करके इसी तरह बाजार का गुणगान भी करते हैं। हम दूसरों की तरह दिखना चाहते हैं, उनकी तरह होना चाहते हैं, बाजार सभी को एक सम धरातल पर ले आता है, लेकिन ऐसा करके वह उसे व्यक्ति से उपभोक्ता में तब्दील करता है। उपभोक्ता की कोई निजी पसंद नहीं होती और उसका कोई निर्णय नहीं होता।

वह उन चीजों का उपभोग करता है, जो उसके लिए बनाई जाती है। इस तरह इस समानता की कीमत अपने व्यक्तित्व और विविधता को खोने के रूप में सभी चुकाते हैं, लेकिन तब भी कोई बेचैनी व्यक्ति में नहीं होती, क्योंकि इस बेचैनी को, सोचने की क्षमता को नष्ट करके ही ये सब चीजें जगह बनाती है। बाजार मनुष्य को उपभोक्ता बनाकर उसकी मूल पहचान को ही एक तरह से संकट में डाल देता है। मनुष्य की अस्मिता उसकी बुद्धि, विचारशीलता, नैतिकता और विवेक से बनती है। वह केवल अपने सही-गलत के बारे में ही नहीं पर्यावरण और अन्य प्राणियों के बारे में भी सोच सकता है और सोचता रहा है।

संस्कृति और समाज के साथ ही अन्य जैविक-अजैविक सत्ताओं के प्रति उसका दायित्व ही उसे मनुष्य बनाता है। मगर उपभोक्ता बनाकर बाजार मनुष्य के विवेक, विचार, व्यवहार और भावों को नियंत्रित करता है। वह मनुष्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में बदलाव करता है और मनुष्य को उसकी गरिमा से स्खलित कर एक ऐसे पुतले में बदल देता है, जिसे अपने स्वार्थ के अनुसार चलाना संभव होता है। व्यक्ति, व्यक्तिगत नहीं होकर भीड़ का हिस्सा मात्र बनकर रह जाता है। अकेले व्यक्ति को नियंत्रित करना जितना मुश्किल है, उसे भीड़ का हिस्सा बनाकर नियंत्रित करना उतना ही आसान है।

वेनेजुएला संकट : अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडे हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस

लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां 'लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रुवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेज़ुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी 'निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेज़ुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

आखिर मादुरो पर क्यों की गई इतनी सख्त कार्रवाई?
खनिज और तेल से भी ज्यादा खास चीजों पर ट्रंप की नजर

वेनेजुएला पर अमेरिका का हमला और वहां के तात्कालिक राष्ट्रपति निकोलस मादुरो एवं उनकी पत्नी को हिरासत में लेने के मामले में दुनिया एक बार फिर से बंट गई लगती है। कई देशों ने वेनेजुएला पर अमेरिका की इस कार्रवाई का स्पष्ट विरोध किया है। मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों का प्रचार करने की रणनीति भी पीछे नहीं है। समर्थन और विरोध से इतर यह सवाल अनुत्तरित रहेगा कि आखिर मादुरो पर ही यह कार्रवाई क्यों की गई! यदि नशीले पदार्थों की तस्करी ही उनका गुनाह-ए-अजीम है, तो इसको लेकर तो चीन पर भी सवाल उठते रहे हैं।

देखा जाए तो वेनेजुएला के विपुल खनिज और तेल पर अमेरिकी कंपनियों का नियंत्रण, ट्रंप की नीयत को पूरी तरह से उजागर नहीं करता है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव का यह सिलसिला पुराना है। वेनेजुएला में वर्ष 1999 में ह्यूगो शावेज के सत्ता संभालने के बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव की शुरुआत हो गई थी। शावेज खुद को समाजवादी और अमेरिकी साम्राज्यवाद का विरोधी बताते थे। उन्होंने अमेरिका को आंख दिखाते हुए क्यूबा और ईरान जैसे कई अमेरिकी विरोधी देशों से दोस्ती बढ़ाई। कहानियां यह भी गढ़ी जा रही हैं कि अमेरिका के हमले का मकसद उस 'स्वघोषित समाजवादी क्रांति' को खत्म करना है, जिसे मादुरो के राजनीतिक गुरु और पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज ने 1999 में शुरू किया था।

बात फिर नशीले पदार्थों की तस्करी पर आती है कि आखिर वह ऐसा कौन सा पदार्थ था, जिसकी वजह से अमेरिका की नींद हराम हो गई थी? यह गांजा, अफीम, चरस-हशीश, या हेरोइन नहीं, बल्कि सबसे घातक नशीला पदार्थ 'फेंटानिल' है। कहा जा रहा है कि इस पदार्थ की तस्करी ने अमेरिका में बड़ी संख्या में लोगों की जान ले ली। इसने ट्रंप की आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी को तबाह कर दिया। कायदे से बहस फेंटानिल के मुख्य आपूर्तिकर्ता चीन पर और ट्रंप के क्रिप्टो गोरखधंधे पर होनी चाहिए थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1999 से अब तक अमेरिका में लगभग दस लाख लोगों की इस नशीले पदार्थ की वजह से मौत हो चुकी है। वर्ष 2020 में नशीले पदार्थों से हुई मौत के कुल मामलों में से 82 फीसद फेंटानिल से जुड़े थे। 2022 में यह संख्या 107, 941 पर पहुंच गई। 2025 तक अमेरिका में नशीले पदार्थों से होने वाली मौत की दर दोगुनी से ज्यादा हो गई, इसका मुख्य कारण फेंटानिल की बढ़ती तस्करी को माना गया है। दरअसल, फेंटानिल प्रयोगशाला में बनने वाला एक सिंथेटिक नशीला पदार्थ है, जो मार्फिन से 80-100 गुना और हेरोइन से पचास गुना ज्यादा घातक है। वैसे इसका नियंत्रित इस्तेमाल आमतौर पर अस्पतालों में दर्द कम करने के लिए किया जाता है।

इसकी खरीद-फरोख्त के लिए 'डार्कनेट' का सबसे अधिक इस्तेमाल होता है। डार्कनेट बाजार वेब पर एक वाणिज्यिक वेबसाइट है, जिसके जरिए नशीले पदार्थ, हथियार, चोरी किया हुआ डेटा और नकली दस्तावेज का अवैध लेन-देन होता है। उदाहरण के लिए, 'सिल्क रोड', जो वर्ष 2011 में बना, वह एक डार्कनेट बाजार था। यह बिटकाइन के शुरुआती उपयोगकर्ताओं में से कुछ का ठिकाना था। ज्यादातर डार्कनेट बाजार अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजंसियों से बचने के लिए अपने मंच पर फेंटानिल जैसे नशीले पदार्थों पर साफ तौर पर प्रतिबंध का संकेत देते हैं। बावजूद इसके, कई लोग फेंटानिल पर दिखाई जाने वाली पाबंदी से बचने का रास्ता निकाल लेते हैं।

वर्ष 2020 की 'ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन' (डीइए) की रपट में चीन को फेंटानिल का शीर्ष उत्पादक देश बताया गया था। इस संस्था ने फेंटानिल उत्पादन की एक शृंखला का पता लगाया है, जिसमें खतरनाक रसायनों को अवैध रूप से लैटिन अमेरिकी देशों में भेजा जाता है, जहां उनका इस्तेमाल फेंटानिल बनाने के लिए किया जाता है। इसे बाद में बेचने के लिए अमेरिका ले जाया जाता है। अमेरिका के कानून प्रवर्तन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इस नशीले पदार्थ से जुड़े लेन-देन में शामिल अधिकांश लोग आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी का इस्तेमाल करते हैं। कई अमेरिकियों को लगता है कि प्रवासी लोग ही उनके देश में फेंटानिल ला रहे हैं।

मगर आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि फेंटानिल की तस्करी और अवैध बिक्री में प्रवासी लोग केवल पच्चीस फीसद और अमेरिकी नागरिक पचहत्तर फीसद शामिल हैं। अमेरिका का प्रशासन अपने ही घर में इसे रोक पाने में नाकाम रहा। विश्लेषकों के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप के रहते हुए फेंटानिल की तस्करी के तरीकों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। इसका बड़े पैमाने पर विश्लेषण करने के लिए 'चैनालिसिस' ने चीन में सक्रिय फेंटानिल के घटक रसायनों के विक्रेताओं से जुड़े क्रिप्टोकरंसी पते की पहचान की। इनके पास वर्ष 2015 से अब तक 98 मिलियन डालर से ज्यादा की क्रिप्टोकरंसी का पता चला है। चैनालिसिस एक अमेरिकी ब्लाकचेन विश्लेषण फर्म है, जिसका मुख्यालय न्यूयार्क सिटी में है।

सबको इस बात की खलिश है कि भारत ने वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले की कार्रवाई को लेकर संतुलित बयान जारी क्यों किया। भारत ने रविवार को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने पर गहरी चिंता जताई और सभी पक्षों से क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाने की अपील की। मगर, हम एक घटना का विश्लेषण गहराई से करेंगे, तो बात समझ में आ जाएगी कि भारत के इस बयान के क्या मायने हैं। 18 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर एक सूचना जारी की गई कि 'फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के कारण भारतीय कंपनी के अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों के अमेरिकी वीजा रद्द।' दूतावास ने स्पष्ट किया कि ये व्यक्ति अमेरिका की यात्रा के लिए अयोग्य हो सकते हैं। साथ ही कहा कि दूतावास उन कंपनियों से जुड़े अधिकारियों पर भी कड़ी नजर रख रहा है, जिनके बारे में पता चला है कि उन्होंने फेंटानिल प्रीकर्सर की तस्करी की है। फेंटानिल के प्रवाह को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। यह दिलचस्प है कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को बता रहे हैं कि नशीले पदार्थों की तस्करी ही मादुरो का मुख्य गुनाह है, लेकिन वे यह नहीं बता पा रहे कि इस अवैध धंधे से उनकी कंपनी की क्रिप्टोकरंसी का कितना नुकसान हुआ है। एक हालिया रपट के अनुसार, वर्ष 2025 के आखिर में क्रिप्टो बाजार में गिरावट के कारण ट्रंप की कंपनी की कुल संपत्ति का मूल्य एक बिलियन डालर से ज्यादा कम हो गया।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस परिवार की संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 7.7 बिलियन डालर से घटकर 6.7 बिलियन डालर रह गया और यह डिजिटल संपत्ति में गिरावट के कारण हुआ है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि नशीले पदार्थ फेंटानिल के उत्पादन से जुड़े क्रिप्टोकरंसी-आधारित लेन-देन ने 'ट्रंप मेमेकाइन' को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप अपने इस दर्द को सार्वजनिक नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने वेनेजुएला पर कार्रवाई करके एक तीर के साथ कई निशाने साधे हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में है।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया।

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़ में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है।

वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है। वैश्विक स्तर पर तेल उत्पादकों की जो सूची है, उसमें वेनेजुएला 21वें स्थान पर है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उत्पादन के लिए वेनेजुएला के पास बुनियादी ढांचे की बेहद कमी है। इसके साथ ही मादुरो की सत्ता के चलते यहां लगातार अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसकी वजह से वह उत्पादन नहीं कर पा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंध के पहले तक भारत वेनेजुएला का दूसरे नंबर का तेल आयातक था। भारत की अमेरिकी कार्रवाई को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया की एक बड़ी वजह भारतीय तेल कंपनियों का फंसा यहां पैसा है। कच्चे तेल के उत्पादन के लिए भारतीय तेल कंपनियों ने यहां निवेश कर रखा है। भारत के करीब नौ हजार करोड़ रूपए यहां फंसे हैं। उम्मीद की जा रही है कि बदली परिस्थितियों में भारत को यह रकम मिल सकती है या फिर तेल का आयात बढ़ सकता है। बहरहाल अमेरिका में भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे ट्रंप की कोशिश अपने परिवार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाना है।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक सवाल यह भी उठाया है कि क्या संयुक्त राष्ट्रसंघ की अब भी जरूरत है। इस कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्रसंघ को ट्रंप के अमेरिका ने एक बार फिर अंगूठा दिखाया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ और उसके महासचिव की एक मात्र भूमिका बयान देने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की रस्म तक सिमटी नजर आ रही है। अब दुनिया को सोचना होगा कि क्या ताकतवर ही दुनिया को चलाएंगे। क्या दुनिया में कमजोर राष्ट्रों, उनकी संप्रभुता और उनकी स्वतंत्रता का महत्व नहीं रहेगा। दिलचस्प यह है कि अमेरिका खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ मानता है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने लोकतंत्र की वह दुहाई देता रहता है। बेशक अंदरूनी स्तर पर उसके यहां लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन उसका मजबूत लोकतंत्र दुनिया में तानाशाही का माध्यम भी है, इसे भी दुनिया को देखना और समझना होगा।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक बार परमाणु अस्त्रों की प्रासंगिकता को भी साबित किया है। सवाल यह है कि यदि वेनेजुएला भी छोटा ही सही,परमाणु ताकत होता तो क्या अमेरिकी सेना वहां ऐसी कार्रवाई कर पाती? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। परमाणु निरस्त्रीकरण के समर्थकों को इस विषय में सोचना होगा। अमेरिकी कार्रवाई से स्पष्ट है कि आज परमाणु हथियार संबंधित राष्ट्र की शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। यूक्रेन इसका उदाहरण है। अगर उसके पास भी परमाणु ताकत होती तो रूस शायद ही उसके खिलाफ कार्रवाई करने की हिमाकत दिखा पाता?

अमेरिकी कार्रवाई के बाद दुनिया का एक वर्ग मानने लगा है कि ट्रंप के अगले निशाने पर उत्तरी कोरिया के तानाशाह किम जोंग हैं। लेकिन यह सोचने वालों को नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियार से संपन्न है। उस पर हाथ डालने से अमेरिकी हाथ जलने का अंदेशा ज्यादा है। वैसे भी अमेरिका ने जहां भी कार्रवाई की है, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर जगहों पर उसे देर से ही सही, मुंह की खानी पड़ी है। अफगानिस्तान, वियतनाम आदि इसके उदाहरण हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 की बैठक कलेक्टेªट सभागार में हुई सम्पन्न

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, गलत स्पेशल क्लोज़ पर होगी कार्यवाही-डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में आईजीआरएस मुख्यमंत्री संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य संदर्भों के सापेक्ष निस्तारित एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी।

बैठक में डिफाल्टर श्रेणी व असंतुष्ट फीडबैक से सम्बन्धित अधिकारियों को जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अपेक्षित सुधार का निर्देश दिया। आईजीआरएस समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहां कि जिन विभागों में शत प्रतिशत असंतुष्ट फीडबैक है उन विभागों के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जनसंवाद दिवस पर शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक कराए। उन्होंने कहा कि ऐसे ही पूरे मनोयोग से कार्य करें, जिससे जनपद की रैंक अच्छी बनी रहे। निर्देश दिया कि शिकायतों को अधिकारी कटेगरी वाईज कर सही ढंग व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये।

जिलाधिकारी ने बताया कि अधिकांश शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर शिकायतकर्ता को वार्ता कर संतुष्ट करने के उपरान्त ही आख्या अपलोड की जाए। केवल वे ही शिकायत स्पेशल क्लोज़ की जाए, जो पोर्टल पर उपलब्ध स्पेशल क्लोज़ की श्रेणी में आती हो। गलत फ्लैग लगाकर स्पेशल क्लोज़ करने पर कार्यवाही की जाएगी। प्रायः यह देखा जा रहा है कि जनपद स्तर से एक ही शिकायत को कई बार फीड किया जा रहा है एवं एक ही मोबाईल नंबर से अलग अलग शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। विश्लेषण में यह भी पाया गया है की मोबाईल नंबर शिकायतकर्ता का न होकर किसी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति का है। जिस अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध शिकायत है उसी से जांच कदापि

न कराई जाए। यह भी समीक्षा कर लें की उनके यहाँ किस क्षेत्र या किस विभाग शिकायत श्रेणी मे सर्वाधिक शिकायतें आ रही हैं और उसका निराकरण कराएं। उदाहरणार्थ कतिपय जनपदों में प्रमाणपत्र बनाने के संबंध में अधिक शिकायत दर्ज हो रही हैं। पूर्व में दिए गए निर्देश के क्रम में जनपद स्तर से निस्तारण की गुणवत्ता का क्रॉस वेरीफिकेशन करने के उपरान्त ही आख्या अपलोड या स्पेशल क्लोज की कार्यवाही की जाए।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निरस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी फरियादियों/शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के प्रति बेहद गम्भीर है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करके रिपोर्ट को पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के डिफाल्टर होने व निस्तारित शिकायतों की खराब गुणवत्ता पाये जाने पर कुछ विभागीय अधिकारियों को इसमें सुधार लाने की कड़ी चेतावनी दिया, कहा कि ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिये कि निस्तारण की गुणवत्ता खराब होने के कारण उच्च स्तर से शिकायतें पुनः वापस आ जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता का पक्ष भी अवश्य सुना जाए और सदंर्भो के निस्तारण के परिणाम से भी शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए। क्योंकि शिकायतकर्ता की संतृष्टि ही संदर्भो का निस्तारण का मूल लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आईजीआरएस का पैरामीटर बदल गया है असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों को सही ढंग से निस्तारण कराए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, सीएमओ डॉ संतोष कुमार चक, समस्त उप जिलाधिकारी, एआरटीओ रामसिंह, डीडीओ ज्ञानप्रकाश, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्रा, समस्त उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, ईडीएम आशुतोष श्रीवास्तव एवं संबंधित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्रों के निर्धारण को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

भदोही में पंचायत चुनाव की तैयारी तेज, मतदान केन्द्रों की संवेदनशीलता तय करने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में मतदान केन्द्रों /मतदान स्थलों का निर्धारण तथा मतदान केन्दों की संवेदनशीलता तय करने हेतु जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में समस्त उप जिलाधिकारी समस्त तहसीलदार, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त थानाध्यक्षों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा निर्देशित किया गया है कि 900 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान स्थल पर मतदाताओं को अन्य मतदान स्थलों में सम्बद्ध करने की कार्यवाही कर ली जाए। ऐसे मतदान केन्द्र जहां 05 से अधिक मतदान स्थल है का सत्यापन कर लें। यदि विद्यालयों का विलय होने के कारण नाम परिवर्तित हो गया हो तो उसकी सूचना उपलब्ध करा ली जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है पंचायत सामान्य निर्वाचन अत्यंत संवेदनशील होते है सभी मतदान स्थलों का भौतिक सत्यापन कराते हुए मतदान स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं जैसे बिजली, हैण्डपम्प एवं पानी इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाए। सभी मतदान केन्दों की संवेदनशीलता का निर्धारण पिछले पंचायत चुनाव को देखते हुए करा ली जाए। जनपद में कुल 546 ग्राम पंचायते स्थापित है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल उपस्थित रहे। अन्त में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि निर्वाचन कार्य की महत्ता को देखते हुए निर्धारित समय के अन्तर्गत कार्यवाही सुनिश्चित करें।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत मंगलवार 06 जनवरी 2026 को जनपद के समस्त थानों की एंटी-रोमियो टीमों द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर उन्हें निर्भीक होकर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

एंटी-रोमियो टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को बताया कि किसी भी विषम या आपात स्थिति में वे तत्काल 1090, यूपी-112, 1076 सहित अन्य महिला हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकती हैं। टीमों ने भरोसा दिलाया कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए हर समय तत्पर है। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, बिना भय के शिक्षा ग्रहण करने एवं अपने कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

जागरूकता अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों के आसपास बेवजह घूम रहे युवकों व शोहदों से पूछताछ कर उन्हें चेतावनी दी गई तथा आवश्यकतानुसार नियमानुसार विधिक कार्रवाई भी की गई। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

छात्रावास में चल रहे मरम्मत कार्य में अनियमितता का आरोप

छात्रों ने प्राचार्य को सौंपा पत्रक

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर के छात्रावास में चल रहे मरम्मत कार्य में अनियमितता एवं निर्माण मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए छात्र आक्रोशित हो उठे हैं। छात्रों का आरोप है कि मरम्मत कार्य में घटिया एवं दोयम दर्जे की ईंटों के साथ-साथ खराब गुणवत्ता की बालू का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। छात्रों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही से भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, जो सीधे तौर पर छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है।

इसी को लेकर आक्रोशित छात्रों ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रमेश चन्द्र यादव को एक ज्ञापन/पत्रक सौंपते हुए मरम्मत कार्य की निष्पक्ष एवं तकनीकी जांच कराने तथा जिम्मेदार ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। छात्रों ने यह भी मांग की कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता युक्त सामग्री का प्रयोग सुनिश्चित कराया जाए और कार्य की नियमित निगरानी की जाए। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही मरम्मत कार्य की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया तो वे चरणबद्ध आंदोलन करने को विवश होंगे। इस अवसर पर स्वतंत्र बिन्द, विमिलेश, धीरज कुमार दूबे, जयप्रकाश पाल, अखंड पटेल, सूरज सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

पंख पोर्टल से बच्चों को मिलेगा सही कैरियर का मार्गदर्शन : डीएम शैलेष कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में शिक्षा के बाद रोजगार प्राप्त करना हर छात्र की प्राथमिक आकांक्षा बन चुकी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को उनकी अभिरुचि के अनुसार कैरियर चयन में मार्गदर्शन देने के लिए पंख पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा के उपरांत छात्र कौन-सी स्ट्रीम चुनें और किस क्षेत्र में उसके बेहतर अवसर उपलब्ध हैं, इसकी विस्तृत जानकारी मिलती है। इसी क्रम में जनपद स्तरीय कैरियर गाइडेंस मेला 2025 का आयोजन मंगलवार को विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज ज्ञानपुर के प्रांगण में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि पंख पोर्टल छात्रों के भविष्य निर्माण में एक सशक्त माध्यम है, जिससे वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार सही कैरियर का चयन कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, सतत परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए कई उपयोगी टिप्स दिए। मेले में जनपद के 39 राजकीय विद्यालयों सहित अनेक सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक शामिल हुए। विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों ने सिविल सेवा, विधि, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, शिक्षा एवं राजनीति जैसे विषयों पर मार्गदर्शन देकर बच्चों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के आयोजक जिला विद्यालय निरीक्षक भदोही अंशुमान उपस्थित रहे।

डायट में मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम व कक्ष का शुभारंभ, डीईओ ने की युवाओं से पंजीकरण की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत मंगलवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), भदोही में मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डायट परिसर में मतदाता रजिस्ट्रेशन कक्ष का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के महत्व पर जोर दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि जो युवक-युवतियां 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं अथवा जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हो पाया है, वे फार्म-6 भरकर अनिवार्य रूप से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं। उन्होंने कहा, 'हर वोट है जरूरी, इसलिए मतदाता के रूप में आज ही पंजीकरण कराएं।' उन्होंने बताया कि दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक निर्धारित है, जिसमें मतदाता अपने दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। फार्म-6 संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अथवा तहसील कार्यालय में जमा किया जा सकता है, जबकि वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है।

डीईओ ने बताया कि यदि किसी मतदाता के विवरण में नाम, आयु, पता आदि में त्रुटि है तो उसके सुधार के लिए फार्म-8 भरा जा सकता है। सामान्य निवास के आधार पर एक बूथ से दूसरे बूथ अथवा एक विधानसभा से दूसरी विधानसभा में स्थानांतरण के लिए भी फार्म-8 का प्रावधान है। वहीं, यदि किसी नाम पर आपत्ति हो तो फार्म-7 भरकर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां–01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गई हैं। ऐसे मतदाता जो इन तिथियों को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे भी दावे-आपत्तियों की अवधि में फार्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 11 जनवरी 2026 को सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी जनसामान्य एवं बूथ लेवल एजेंटों के समक्ष मतदाता सूची का वाचन करेंगे। मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक सभी मतदान केंद्रों पर अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेगा। इसके अतिरिक्त मतदाता अपना नाम एवं विवरण www.ceouttarpradesh.nic.in की वेबसाइट पर 'Search Your Name in Electoral Roll' विकल्प के माध्यम से, https://electoralsearch.in, https://voters.eci.gov.in अथवा Voter Help Line App डाउनलोड कर भी देख सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित नागरिकों को मतदाता शपथ भी दिलाई गई, जिसमें लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन में निर्भीक होकर मताधिकार के प्रयोग का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भान सिंह, तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह, डायट प्राचार्य विकास चौधरी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिनांक 01 नवम्बर, 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 के अनुसार तैयार हो गयी है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन आज दिनांक 06 जनवरी, 2026 को कर दिया गया है। उक्त अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी, कार्यालय एवं उप जिलाधिकारी/पदनामित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय पर जन सामान्य के अवलोकनार्थ निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। जनपद के समस्त मतदाताओं से अपील है कि वे कार्यालय अवधि में उपरोक्तानुसार विहित स्थलों पर उपस्थित होकर मतदाता सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में भाकपा माले का कलेक्ट्रेट पर धरना

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भाकपा माले के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने नेताओं की कथित मनमानी गिरफ्तारी और प्रशासनिक उत्पीड़न के विरोध में मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। पार्टी नेताओं ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि जनआंदोलनों का नेतृत्व करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है।

धरना दे रहे कार्यकर्ताओं ने बताया कि भाकपा माले के उत्तर प्रदेश सचिव सुधाकर यादव एवं राज्य कमेटी सदस्य कॉमरेड जिला भारती को बीते 3 जनवरी को मिर्जापुर जनपद के अदलहाट-चुनार क्षेत्र से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे एक अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। आरोप है कि पुलिस ने बिना किसी ठोस कारण के, बगैर वारंट दिखाए और यह बताए बिना कि किस मामले में गिरफ्तारी की जा रही है, दोनों नेताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधिकारियों से संपर्क करने पर भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और लगभग 24 घंटे बाद यह जानकारी मिली कि दोनों नेताओं को सीधे जेल भेज दिया गया है।

पार्टी का आरोप है कि गिरफ्तार किए गए नेता मिर्जापुर जनपद में वन अधिकार कानून के तहत आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ रहे थे और बुलडोजर कार्रवाई व विस्थापन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। बताया गया कि लालगंज क्षेत्र के तेंदुआ खुर्द गांव में चार पीढ़ियों से आबाद गरीब वनवासियों को बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके विरोध में बीते माह लालगंज तहसील और 2 जनवरी को मंडल आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया था। भाकपा माले का कहना है कि इन्हीं जनसंघर्षों के कारण प्रशासन द्वारा नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है, जिसे तत्काल रोका जाना चाहिए। धरना-प्रदर्शन के दौरान ज्वाला प्रसाद, बनारसी सोनकर, कबूतर, इंद्रदेव पाल, शिव बहादुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया मतदाता आलेख्य का प्रकाशन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 हेतु तैयार की गयी निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06.01.2026 को जनपद समस्त मतदेय स्थल/मतदान केन्द्र, तहसील पर किया गया। उक्त के अतिरिक्त जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जनपद स्तर पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता मे बैठक आयोजित कर सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के माध्यम से आलेख्य निर्वाचक नामावली की 01 प्रति हार्ड एवं 01 प्रति सॉफ्ट कॉपी मे प्राप्त करायी गयी और मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य मे राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा की गयी।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान आलेख्य प्रकाशन के पश्चात् प्रेसवार्ता कर प्रेस प्रतिनिधियों को बताया गया कि उपर्युक्त स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची जनमानस के अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेगी। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026, आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06.01.2026 महत्वपूर्ण बिन्दु है- आलेख्य प्रकाशित निर्वाचक नामावली मे कुल 10, 27, 004 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसमे 5, 56, 580 पुरुष, 4, 70, 371 महिला एवं 53 थर्ड जेण्डर सम्मिलित हैं। वरिष्ठ मतदाताओं (85 प्लस) की संख्या 6320 है, जिसमे 2722 पुरुष एवं 3598 महिला सम्मिलित हैं। युवा मतदाताओं की संख्या 2604 है जिसमे 1285 पुरुष एवं 1319 महिला सम्म्लिलित हैं। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 12731 है जिसमे 8208 पुरुष 4521 महिला एवं 02 थर्ड जेण्डर सम्मिलित हैं। दिनांक 06.01.2026 को आलेख्य प्रकाशन के पश्चात जनपद का इलेक्टर जेण्डर रेशियो 845 हो गया है।

जनपद में कुल 705 मतदान केन्द्र हैं जिसमे भदोही मे 241, ज्ञानपुर मे 236 एवं औराई में 228 मतदान केन्द्र स्थापित हैं। जनपद मे कुल मतदेय स्थलों की संख्या 1404 हैं जिसमे भदोही मे 504, ज्ञानपुर मे 458 एवं औराई मे 442 मतदेय स्थल स्थापित हैं। उक्त समस्त मतदेय स्थलों पर बीएलओ एवं सुपरवाईजर तैनात कर लिये गए हैं। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 की गणना अवधि मे बीएलओ द्वारा 43, 696 (भदोही-16680, ज्ञानपुर-11701 एवं औराई 15315) मतदाता नो मैपिंग की श्रेणी मे चिन्हित किये गये हैं जो कुल मतदाताओं का 3.54 प्रतिशत है। उक्त मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस प्रेषित किया जायेगा एवं नोटिस पर प्रदर्शित सम्बन्धित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मे निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर मा0 आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज उपलब्ध करा कर मतदाता सूची मे अपना नाम सुरक्षित करा सकते हैं। बीएलओ द्वारा नोटिस सम्बन्धित मतदाता के घर पर जाकर तामीला कराई जायेगी। तत्समय यदि मतदाता चाहे तो आवश्यक निर्धारित दस्तावेज बीएलओ को उपलब्ध करा सकते हैं एवं बीएलओ बीएलओ ऐप के माध्यम से उस दस्तावेज को अपलोड कर देगा।

आयोग द्वारा दिनांक 06.01.2026 से 06.02.2026 तक दावे-आपत्ति का समय निर्धारित किया गया जिसमे युवा अर्ह नागरिक फार्म-6 आनलाइन/आफलाइन भरकर अपना नाम मतदाता सूची मे पंजिकृत करा सकते हैं। उक्त के अतिरिक्त यदि कोई मतदाता मृतक हो गया है अथवा पर्मानेन्टली शिफ्टेड हो गया है तो उसके सम्बन्धी द्वारा फार्म-7 भरकर मतदाता सूची से उसका नाम विलोपित करा सकते हैं। इसी प्रकार मतदाता को अपना नाम अथवा पता संशोधित कराना हो तो फार्म-8 भर सकते हैं। मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन दिनांक 06.03.2026 को किया जायेगा। आयोग द्वारा मतदाता हेतु 04 अर्ह तिथियां यथा 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी हैं।

दहशत का माहौल : मऊ रेलवे स्टेशन पर बम की सूचना से मचा हड़कंप

मुंबई जाने वाली काशी एक्सप्रेस खाली कराई गई

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर बम की खबर से अफरा-तफरी मच गई, जब अधिकारियों को गोरखपुर से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली 15018 डाउन ट्रेन में एक विस्फोटक डिवाइस होने की जानकारी मिली। अलर्ट मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं और पूरे स्टेशन पर तनाव का माहौल छा गया। जानकारी के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाए गए।

पुलिस अधीक्षक इलमारन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार पुलिस टीम के साथ स्टेशन पहुंचे। इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने जीआरपी और आरपीएफ कर्मियों के साथ मिलकर तुरंत ट्रेन को खाली कराया और यात्रियों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया ताकि ट्रेन की गहन जांच शुरू की जा सके।

अधिकारियों के अनुसार, 15018 ट्रेन के हर डिब्बे की पूरी तरह से तलाशी ली जा रही है। किसी भी तरह की आवाजाही को रोकने के लिए प्लेटफॉर्म और आस-पास के इलाकों को भी सुरक्षित कर लिया गया है। अचानक ट्रेन खाली कराने से यात्रियों में घबराहट फैल गई, हालांकि प्रशासन लगातार घोषणाएं करके लोगों से शांत रहने और निर्देशों का पालन करने का आग्रह करता रहा। सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और ट्रेन को तभी रवाना होने दिया जाएगा जब जांच पूरी हो जाएगी और इलाके को सुरक्षित घोषित कर दिया जाएगा।

इससे पहले 19 दिसंबर को, नोएडा के कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले थे, जो बाद में फर्जी निकले, पुलिस ने बताया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (गौतम बुद्ध नगर), राजीव नारायण मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि नोएडा के कुछ स्कूलों को उनके परिसर में बम हमले की धमकी वाले ईमेल मिले थे।

मिश्रा ने कहा था, 'सूचना मिलने पर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस टीमों, बम निरोधक दस्तों, डॉग स्क्वॉड और तोड़फोड़ विरोधी इकाइयों के साथ मिलकर स्कूलों की गहन जांच की।' अधिकारी ने आगे कहा कि सुरक्षा टीमों ने एहतियात के तौर पर आस-पास के इलाकों, जिसमें पास के मेट्रो स्टेशन, बाजार और अन्य भीड़भाड़ वाली जगहें शामिल हैं, में भी तलाशी अभियान चलाया।

झांसी की पहली महिला ऑटो चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के झांसी जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक ऑटो रिक्शा पलटने से महिला चालक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में परिजनों की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर देर रात दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया, जबकि मुख आरोपी फरार हो गया है, जिस पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया है।

झांसी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि रविवार और सोमवार की दरमियानी करीब 2:30 बजे नियंत्रण कक्ष से थाना नवाबबाद क्षेत्र के स्टेशन रोड पर एक ऑटो पलटने एवं उसमें दबकर महिला ऑटो चालक की मौत होने की सूचना मिली थी और इसके बाद ऑटो चालक अनीता चौधरी के पति द्वारिका चौधरी ने पत्नी की हत्या होने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी और फिर नवाबाद थाने में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी मुकेश झा पिछले 6-7 साल से महिला ऑटो चालक के संपर्क में था और कुछ दिनों से उन दोनों के बीच अनबन चल रही थी।

मूर्ति के मुताबिक, सोमवार देर शाम पुलिस ने इस संबंध में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मुकेश झा के पुत्र शिवम एवं बहनोई मनोज को हिरासत में ले लिया तथा मुख्य आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर उसकी तलाश शुरू कर है। मृतका के शव का समिति बनाकर वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम

कराया गया है और इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

इससे पहले पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि रविवार रात स्टेशन रोड पर एक ऑटो पलटने से महिला चालक अनीता चौधरी (35) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्ट्या यह सड़क दुर्घटना प्रतीत होती है परंतु मृतका के परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। सीओ ने बताया कि इस संबंध में जांच की जा रही है और कुछ भी संदिग्ध पाया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने महिला के जेवरात एवं फोन गायब होने के कारण लूट एवं हत्या की आशंका व्यक्त की है। स्थानीय तालपुरा इलाके की रहने वाली अनीता ने करीब पांच साल पहले शहर में ऑटो चलाना शुरु किया था। इससे पहले कोई महिला झांसी में ऑटो नहीं चलाती थी।

हॉर्न बजाने से नाराज दबंगों ने पेड़ से बांधकर पीटा, लहूलुहान युवक को पुलिस ने कराया बंधनमुक्त

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के अम्बेडकरनगर जिले से तालिबानी सजा का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां गाड़ी का हॉर्न बजाना एक युवक को भारी पड़ गया। दबंगों ने न सिर्फ युवक की बेरहमी से पिटाई की, बल्कि उसे पेड़ से बांधकर प्रताड़ित भी किया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक पेड़ से बंधा हुआ है। उसके चेहरे पर गंभीर चोट के निशान हैं और खून बह रहा है। युवक दर्द से कराहता नजर आ रहा है, जबकि आसपास मौजूद लोग उसे छुड़ाने के बजाय तमाशबीन बने रहे। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को दबंगों के चंगुल से मुक्त कराया।

यह पूरा मामला अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के उकरा गांव का बताया जा रहा है। पीड़ित युवक की पहचान मानवेन्द्र सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मानवेन्द्र गांव के रास्ते से अपनी गाड़ी लेकर गुजर रहा था। रास्ते में किसी बात को लेकर उसने हॉर्न बजा दिया, जिससे नाराज होकर गांव के दबंगों ने उसे रोक लिया। इसके बाद लाठी-डंडों से उसकी जमकर पिटाई की गई और फिर उसे पेड़ से बांध दिया गया।

पुलिस द्वारा छुड़ाए जाने के बाद घायल युवक जिला अस्पताल पहुंचा, जहां उसका इलाज कराया गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

अकबरपुर सदर सर्किल के क्षेत्राधिकारी (सीओ) ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जेएनयू विवाद पर बोले राजभर, विपक्ष का काम बस नारे लगाना, हंगामा करना है

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित नारेबाजी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि विपक्षी दल केवल नारों, गीतों और शोर मचाने के माध्यम से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। राजभर ने कहा कि कुछ विपक्षी दल हैं; उनका काम सरकार का विरोध करना है, वे कभी नारों से, कभी गीतों से और कभी शोर मचाकर ऐसा करते हैं। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश से जुड़े एक मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज करने के फैसले के बाद आई है। हालांकि, कोर्ट ने गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दे दी।

सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि उमर खालिद और शरजील इमाम अभियोजन और सबूतों दोनों के लिहाज से गुणात्मक रूप से अलग स्थिति में हैं। राजभर ने विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक, 2025 की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण श्रमिकों के लिए एक लाभकारी पहल बताया। उन्होंने कहा, यह एक अच्छी पहल है, लोगों को 125 दिनों का काम मिलेगा, और जिन भुगतानों का भुगतान नहीं हो रहा था, उन्हें 7 दिनों के भीतर देने की बात कही जा रही है।

चांदी' समझकर टूट पड़े लोग! हापुड़ हाइवे पर ट्रक से गिरी सफेद धातु, लूट की होड़ से लगा लंबा जाम

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के जनपद हापुड़ में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में ततारपुर बाइपास से बुलंदशहर कट के पास एक चलते ट्रक से सड़क पर संदिग्ध सफेद रंग की धातु गिर गई. हाईवे पर अचानक धातु गिरते ही राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ ही देर में यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। बाइपास पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गढ़मुक्तेश्वर की ओर से दिल्ली की तरफ जा रहा एक ट्रक जैसे ही बुलंदशहर कट के पास पहुंचा, उसी दौरान ट्रक से सफेद रंग की धातु जैसी वस्तुएं सड़क पर गिरने लगीं। इसे देखकर वहां से गुजर रहे लोग अपने वाहन रोककर नीचे उतर आए। देखते ही देखते लोगों के बीच यह अफवाह फैल गई कि सड़क पर गिरी धातु चांदी है। चांदी होने की चर्चा फैलते ही मौके पर मौजूद लोग धातु उठाने में जुट गए। कुछ ही मिनटों में वहां भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। इस पूरे घटनाक्रम का किसी राहगीर ने वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जाम की सूचना मिलते ही थाना हापुड़ देहात पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी

मशक्कत के बाद यातायात को नियंत्रित कराया। पुलिस ने लोगों को वहां से हटाया और सड़क को खाली कराया, ताकि वाहनों की आवाजाही दोबारा शुरू हो सके।

थाना हापुड़ देहात प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि फिलहाल सड़क पर गिरी सफेद धातु के चांदी होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह धातु किस ट्रक से गिरी और इसकी वास्तविक प्रकृति क्या है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि सड़क पर गिरी धातु वास्तव में क्या थी और इसमें किसी तरह की लापरवाही या अपराध तो नहीं हुआ है। फिलहाल इस घटना से इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

मिशन असम : प्रियंका गांधी को मिली कांग्रेस की नई ज़िम्मेदारी, क्या पलट पाएंगी सियासी बाज़ी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि असम में एक निष्क्रिय आंतरिक नेटवर्क, जिसे पार्टी संभावित स्लीपर सेल कहती है, अभी भी सक्रिय है और संगठनात्मक निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, जो कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए, राज्य में कांग्रेस ढांचे के भीतर कुछ व्यक्तियों पर अपना प्रभाव बनाए हुए हैं। पार्टी को अब उम्मीद है कि प्रियंका गांधी वाड्रा की अधिक सक्रिय भागीदारी इस प्रभाव को बेअसर करने में सहायक होगी।

पिछले असम विधानसभा चुनावों के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे काफी सक्रिय रहीं, हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान वह सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आईं। उस समय भूपेश बघेल राज्य के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत थे। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि प्रियंका का सशक्त नेतृत्व, रणनीतिक स्पष्टता और कार्यकर्ताओं से जुड़ने की क्षमता संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने और शर्मा के जाने के बाद बचे किसी भी अप्रत्यक्ष प्रभाव का मुकाबला करने में सहायक हो सकती है।

पार्टी का असम पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना स्पष्ट राजनीतिक गणनाओं से प्रेरित है। पश्चिम बंगाल, जहाँ कांग्रेस का कोई मजबूत संगठनात्मक आधार नहीं है, या तमिलनाडु, जहाँ वह एक कनिष्ठ सहयोगी बनी हुई है, के विपरीत, पार्टी नेताओं के अनुसार, असम कांग्रेस को वापसी का एक वास्तविक अवसर प्रदान करता है। प्रियंका गांधी केरल में संगठनात्मक जिम्मेदारी भी नहीं ले सकतीं, क्योंकि आंतरिक नियमों के अनुसार नेता उन राज्यों में पद धारण नहीं कर सकते जहाँ से वे सांसद हैं, क्योंकि इससे निहित स्वार्थों की आशंका पैदा हो सकती है। इन सीमाओं को देखते हुए, असम प्रियंका गांधी के लिए कमान संभालने और राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभरा है।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि प्रियंका की उपस्थिति से पार्टी को एक मजबूत छवि बनाने, लगातार सुर्खियों में बने रहने और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। उनकी भागीदारी से असम में सत्ता पुनः प्राप्त करने के प्रति पार्टी की गंभीरता का संकेत मिलेगा और गठबंधन सहयोगियों को भी गति मिलेगी। पिछले विधानसभा चुनावों में, महाजोत गठबंधन को 43.68 प्रतिशत वोट मिले, जबकि एनडीए को 44.51 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। एनडीए ने 75 सीटें जीतीं, जबकि महाजोत को 50 सीटें मिलीं। उस समय स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता पृथ्वीराज चव्हाण ने की थी। कांग्रेस का मानना है कि संगठनात्मक स्थिरता, रणनीतिक संदेश और प्रियंका के नेतृत्व से आगामी चुनावों में इस अंतर को कम किया जा सकता है।

नोटिस मिलने पर भड़के प्रियांक खरगे, कहा- आरएसएस की डराने की रणनीति, सवाल पूछता रहूंगा

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को बेंगलुरु की एक विशेष अदालत द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर उनकी टिप्पणियों के लिए उन्हें नोटिस जारी किए जाने की खबरों को खारिज करते हुए इसे संगठन के बारे में जायज सवाल उठाने वालों के खिलाफ डराने-धमकाने की रणनीति बताया। खरगे ने कहा कि वे डराने-धमकाने की रणनीति अपना रहे हैं, यह कोई नई बात नहीं है। हम आरएसएस, उसके वित्तपोषण और उसके अस्तित्व के बारे में जायज सवाल उठा रहे हैं। सिर्फ इसलिए कि आप व्यक्तियों का एक समूह हैं, मुझे देश का एक भी नियम दिखाइए जो कहता हो कि आपका पंजीकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही देश के सभी संस्थानों पर लागू होती है।

प्रियांक खरगे ने आगे कहा कि जिस देश में मंदिरों को जवाबदेह ठहराया जाता है, गैर-सरकारी संगठनों को जवाबदेह ठहराया जाता है, व्यक्तियों के अन्य संगठनों और संस्थाओं को जवाबदेह ठहराया जाता है, वहां आरएसएस को जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया

जाता? ऐसा होने वाला है... भारत में संविधान अभी भी जीवित है। आरएसएस संविधान से ऊपर नहीं है, न ही मैं। आज सुबह, खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म' पर एक लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य द्वारा दायर मानहानि की शिकायत के संबंध में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य मंत्री दिनेश गुंडुराओ को नोटिस जारी किया है।

अपने पोस्ट में, खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है और इसके संचालन में पारदर्शिता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ व्यक्तियों का समूह अपने कठपुतलियों का इस्तेमाल करके हमारे खिलाफ मामले दर्ज करा रहा है, सिर्फ इसलिए कि हम आरएसएस पर जायज सवाल उठा रहे हैं। आरएसएस राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। संक्षेप में: श्री भगवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों द्वारा दिए गए दान से चलता है। हालांकि, इस दावे के संबंध में कई जायज सवाल उठते हैं: ये स्वयंसेवक कौन हैं और इनकी पहचान कैसे होती है? दिए गए दान का पैमाना और स्वरूप क्या है? ये दान किन तंत्रों या माध्यमों से प्राप्त होते हैं?

उन्होंने आगे सवाल किया कि अगर आरएसएस पारदर्शी तरीके से काम करता है, तो दान सीधे संगठन को उसकी अपनी पंजीकृत पहचान के तहत क्यों नहीं दिया जाता? पंजीकृत संस्था न होते हुए भी आरएसएस अपनी वित्तीय और संगठनात्मक संरचना को कैसे बनाए रखता है? पूर्णकालिक प्रचारकों को कौन वेतन देता है और संगठन के नियमित परिचालन खर्चों को कौन पूरा करता है? बड़े पैमाने पर आयोजित कार्यक्रमों, अभियानों और जनसंपर्क गतिविधियों का वित्तपोषण कैसे होता है?

जिस बांग्लादेश को बनवाया, वही हुआ खिलाफ, अशोक गहलोत ने 1971 युद्ध को याद करते हुए साधा निशाना

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों की निंदा की और पड़ोसी देश के प्रति भारत सरकार के कूटनीतिक दृष्टिकोण की आलोचना की। एक पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही बर्बरता की खबरों को 'चिंताजनक' बताया। उन्होंने कहा कि पांच हिंदुओं की हत्या और महिलाओं के खिलाफ किए गए अत्याचार मानवता पर कलंक हैं। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध को याद करते हुए, गहलोत ने बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं के बढ़ने पर चिंता व्यक्त की और इसे भारत सरकार की कूटनीति की विफलता बताया।

गहलोत ने कहा, बांग्लादेश से हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही बर्बरता की खबरें चिंताजनक हैं। महज 19 दिनों में 5 हिंदुओं की हत्या और वहां महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार मानवता पर कलंक हैं। 1971 के उस दौर की यादें आज भी ताजा हैं, जब श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने न केवल कूटनीतिक दृढ़ता दिखाई, बल्कि अपने दृढ़ संकल्प से इतिहास और भूगोल दोनों को बदल दिया। उन्होंने अमेरिका जैसी महाशक्ति की भी परवाह नहीं की, जिसने भारत के खिलाफ अपना सातवां बेड़ा भेजा था। यह भी चिंताजनक है कि जिस देश के निर्माण में भारत ने ही मदद की थी, वह भारत के खिलाफ हो गया है। यह भारत सरकार की कूटनीतिक विफलता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के जीवन और गरिमा की रक्षा करना भारत का नैतिक और कूटनीतिक दायित्व है।

गहलोत ने कहा, 'केंद्र सरकार को 'गहरी चिंता' व्यक्त करने जैसे औपचारिक बयानों से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने चाहिए। पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के जीवन और गरिमा की रक्षा करना हमारा नैतिक और कूटनीतिक दायित्व है। इतिहास गवाह है कि निर्दोषों की जान केवल खोखले नारों से नहीं, बल्कि निर्णायक नेतृत्व से बचाई जा सकती है। प्रधानमंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर प्रभावी दबाव डालना चाहिए।

अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान- 10 लाख युवाओं को मिलेगी एआई ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने भविष्य की तकनीक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एआई) के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए एक विशाल कदम उठाया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को जयपुर में आयोजित 'राजस्थान रीजनल एआई कॉम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026' के दौरान एक मेगा स्किलिंग प्रोग्राम की घोषणा की।

केंद्र सरकार ने अगले एक साल के भीतर देश के 10 लाख युवाओं को एआई कौशल से लैस करने का लक्ष्य रखा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जिस तरह भारत ने 5जी रोलआउट और सेमीकंडक्टर मिशन में दुनिया को अपनी रफ्तार दिखाई, उसी गति से एआई ट्रेनिंग का काम भी पूरा किया जाएगा। मंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विजन एआई का लोकतंत्रीकरण करना है। इसका मतलब है कि तकनीक सिर्फ बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि छोटे व्यवसायों, छात्रों और स्टार्टअप्स तक भी पहुंचे। भारत में अब तक 38, 000 जीपीयूएस (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स) उपलब्ध कराए जा चुके हैं, ताकि कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सस्ता और सुलभ हो सके।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एआई इंडेक्स के अनुसार भारत अब एआई विकास और रिसर्च में अमेरिका और चीन के साथ दुनिया के टॉप 3 देशों में शामिल है। भारत में एआई और डेटा सेंटर्स के क्षेत्र में लगभग 70 बिलियन डॉलर (करीब 5.8 लाख करोड़ रुपये) के निवेश की तैयारी है। यूके, दक्षिण कोरिया और फ्रांस के बाद अब अगला बड़ा 'ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट' भारत में आयोजित होगा, जिसके लिए देशभर में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं।

विजय की सियासी मुश्किलें बढ़ीं, करूर भगदड़ केस में सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया

चेन्नई (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अभिनेता-राजनेता और तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के संस्थापक विजय को करूर भगदड़ मामले में पूछताछ के लिए 12 जनवरी को नई दिल्ली स्थित एजेंसी मुख्यालय में तलब किया है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। 27 सितंबर को तमिलगा वेट्री कज़गम प्रमुख विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए। सीबीआई ने 26 अक्टूबर को भगदड़ की जांच अपने हाथ में ले ली। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इस मामले में तमिलगा वेट्री कज़गम के कई पदाधिकारियों से पूछताछ की है।

इससे पहले 27 अक्टूबर को, विजय ने महाबलीपुरम के एक रिसॉर्ट में पीड़ितों के परिवार वालों से मुलाकात की, ठीक एक महीने बाद जब यह घातक भगदड़ हुई थी। विजय और उनकी पार्टी ने करूर भगदड़ पर बार-बार दुख व्यक्त किया है और इस घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों को 20 लाख रुपये देने का वादा किया है। इसके अलावा, घायलों को भी 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। पार्टी ने यह राशि परिवारों के खातों में जमा भी कर दी है। टीवीके नें' पर पोस्ट किया, '39 परिवारों को 20-20 लाख रुपये

भेजे जा चुके हैं, कुल मिलाकर 7.8 करोड़ रुपये।'

पुलिस के अनुसार, घटना के समय वेलुसामीपुरम में पुलिस क्वार्टर के पास टीवीके द्वारा व्यवस्थित की गई एम्बुलेंस सहित लगभग पांच एम्बुलेंस तैनात थीं। 28 सितंबर को, एडीजीपी (कानून और व्यवस्था) डेविडसन देवसिरवथम ने पत्रकारों को बताया कि भगदड़ के तुरंत बाद, पुलिस ने माइक्रोफोन के माध्यम से स्थानीय थाने को सूचित किया और अमरावती अस्पताल से लगभग 10 एम्बुलेंस सेवा में लगाई गईं। इससे पहले, पुलिस ने कहा था कि रैली में 27, 000 लोग शामिल हुए, जो अपेक्षित 10, 000 प्रतिभागियों की संख्या से लगभग तीन गुना अधिक थे, और त्रासदी के लिए विजय के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने में सात घंटे की देरी को जिम्मेदार ठहराया था।

तलाक के बाद फिर एक साथ नजर आ सकते हैं युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा तलाक के महीनों बाद आने वाले रियलिटी शो 'द 50' में एक साथ नजर आने वाले हैं। शो के मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चहल और धनश्री दोनों ही संभावित लाइन-अप का हिस्सा हैं। 2020 में शादी करने वाले चहल और धनश्री अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ के पल ऑनलाइन शेयर करते थे। हालांकि, पिछले साल उनके अलग होने की खबर ने कई लोगों को चौंका दिया था, और तब से दोनों ने अपने ब्रेकअप के कारणों के बारे में ज्यादातर चुप्पी साधे रखी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'द 50' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा से संपर्क किया जा सकता है। अगर वे एक ही शो में एक साथ नजर आते हैं, तो यह तलाक के बाद पहली बार होगा जब वे किसी पब्लिक प्लेटफॉर्म पर एक साथ दिखेंगे। चहल पहले कभी किसी रियलिटी शो में नहीं आए हैं, लेकिन धनश्री 'राइज एंड फॉल' में नजर आ चुकी हैं, जहां उन्होंने युजी के साथ अपने ब्रेकअप के बारे में कुछ चौंकाने वाले दावे किए थे, जिसमें शादी के पहले दो महीनों में उन पर धोखा देने का आरोप भी शामिल था। इनके अलावा कई अन्य सेलिब्रिटीज के भी बातचीत में होने या पहले ही फाइनल होने की बात कही जा रही है। इनमें ओरी, एमीवे बंटाई, निक्की तंबोली, श्वेता तिवारी, अंकिता लोखंडे, शिव ठाकरे, कुशा कपिला, श्रीसंत, उर्फी जावेद, तान्या मित्तल और फैसल शेख शामिल हैं। शो 'द 50' को भारत के सबसे बड़े रियलिटी फॉर्मेट में से एक के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है, जिसमें खेल, फिल्म, टेलीविजन और डिजिटल कंटेंट सहित अलग-अलग क्षेत्रों के पचास तक कंटेस्टेंट शामिल होंगे।

गौर हो कि युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा 2025 में एक दूसरे से अलग हो चुके हैं। दोनों ने दिसंबर 2020 में शादी के बाद आधिकारिक तौर पर तलाक हो गया। यह कपल आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी देने से पहले लगभग 18 महीनों से अलग रह रहा था और बांद्रा फैमिली कोर्ट ने लगभग ?4.75 करोड़ के गुजारा भत्ता सेटलमेंट के साथ तलाक दे दिया। मीडिया इंटरव्यू में चहल ने तलाक के समय सामने आए धोखे के आरोपों से साफ इनकार किया और जोर देकर कहा कि उन्होंने कभी बेवफाई नहीं की और उस समय को अपने लिए भावनात्मक रूप से बहुत मुश्किल बताया।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं चला शुभमन का बल्ला, सस्ते में लौटे पवेलियन

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सीमित ओवरों में खराब फॉर्म का सिलसिला जारी है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के खिलाफ पंजाब की ओर से खेलते हुए गिल रनचेज में खास प्रभाव नहीं छोड़ सके और सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब को 212 रन का लक्ष्य मिला था।

पंजाब की पारी के दौरान शुभमन गिल ने शुरुआत में अर्जुन तेंदुलकर और वासुकी कौशिक के खिलाफ एक-एक चौका जरूर लगाया, लेकिन पांचवें ओवर की पहली गेंद पर वासुकी कौशिक ने उन्हें चलता कर दिया। गिल 12 गेंदों में 11 रन बनाकर सुयश प्रभुदेसाई को कैच दे बैठे। यह वही मुकाबला था, जो ऊ20 वर्ल्ड कप 2026 टीम से बाहर होने के बाद गिल का पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

शुभमन गिल का सफेद गेंद क्रिकेट में खराब दौर चिंता बढ़ा रहा है। उन्हें आखिरी बार 10 महीने पहले अर्धशतक बनाते देखा गया था। इसके बाद से उन्होंने 7 वनडे, 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय और अब विजय हजारे ट्रॉफी का एक मुकाबला खेला है, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं आई।

हालांकि इसके उलट, टेस्ट क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। 2025 में खेले गए टेस्ट मैचों में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ रहे, भले ही चोट के कारण वह गुवाहाटी टेस्ट और ईडन गार्डन्स मं रनचेज का हिस्सा नहीं बन सके।

जयपुर में घने कोहरे के चलते पंजाब बनाम गोवा मैच देर से शुरू हुआ और इसे 40 ओवर प्रति पारी तक सीमित कर दिया गया। पंजाब के कप्तान प्रभसिमरन सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी चुनी। गोवा की शुरुआत खराब रही और टीम ने 67 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद सुयश प्रभुदेसाई (43 गेंदों में 66) और ललित यादव (59 गेंदों में 54) ने पारी संभाली।

लेकिन पंजाब के स्पिनर मयंक मार्कंडे ने चार विकेट लेकर गोवा को फिर संकट में डाल दिया। अंत में गोवा की टीम 33.3 ओवर में 211 रन पर ऑलआउट हो गई।

पंजाब का आखिरी लीग मुकाबला 8 जनवरी को जयपुर में मुंबई के खिलाफ है। यह साफ नहीं है कि गिल इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। गौर है कि गर्दन की चोट के कारण गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल पाए थे। अब वह 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले हैं।

मजबूत जोखिम प्रबंधन से भारतीय बैंकों का कामकाजी माहौल सुधरेगा - फिच

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। भारतीय बैंकों को आने वाले समय में रिजर्व बैंक की बेहतर निगरानी और मजबूत पर्यवेक्षण व्यवस्था का फायदा मिलने की उम्मीद है। इससे न सिर्फ बैंकिंग प्रणाली में जोखिम कम होंगे, बल्कि पूरे क्षेत्र का कामकाजी माहौल भी सुधरेगा। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने एक रिपोर्ट में कहा कि मजबूत आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं और महंगाई के जोखिमों में कमी आने के साथ ये बदलाव बैंकिंग क्षेत्र के लिए सकारात्मक हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में तनावपूर्ण हालात से निपटने, जोखिमों की निगरानी और खराब कर्ज की वसूली से जुड़े नियामकीय ढांचे में काफी सुधार हुआ है। फिच ने कहा, 'वित्त वर्ष 2015-16 से 2017-18 के बीच गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में तेज बढ़ोतरी के पीछे जिन कमजोरियों की भूमिका थी, उन्हें अब काफी हद तक दूर कर लिया गया है। फिलहाल बैंकिंग प्रणाली के प्रमुख आंकड़े कई वर्षों की सबसे मजबूत स्थिति में हैं।'

बैंकिंग क्षेत्र के कुल कर्जों में एनपीए का अनुपात वित्त वर्ष 2017-18 के 11.2 प्रतिशत से घटकर 2025-26 की पहली छमाही में 2.2 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह, बैंकों की पूंजी स्थिति भी बेहतर हुई है। इसके अलावा बैंक की वित्तीय मजबूती और संकट झेलने की क्षमता का पैमाना माना जाने वाला कॉमन इक्विटी टियर-1 अनुपात भी बढ़कर 14.8 प्रतिशत हो गया है, जो वित्त वर्ष 2013-14 में करीब 9.3 प्रतिशत था। बैंकों की लाभप्रदता भी एशिया-प्रशांत क्षेत्र के समकक्ष देशों के अनुरूप है। हाल के वर्षों में परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) करीब 1.3 प्रतिशत रहा है।

फिच का मानना है कि अपेक्षित ऋण क्षति (ईसीएल) ढांचे को लागू करने से मुनाफे में उतार-चढ़ाव कम होगा। आगे चलकर देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि (अगले दो वर्षों में छह प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान) बैंकों को कर्ज विस्तार के पर्याप्त अवसर देगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में बैंकिंग ऋण और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात अभी 59 प्रतिशत है, जो अन्य देशों के औसत 101 प्रतिशत से कम है। इससे संकेत मिलता है कि सावधानी बरतते हुए कर्ज वृद्धि की अभी काफी अच्छी गुंजाइश मौजूद है।

अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा।

अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है। इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान : इंडिया रेटिंग्स

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। साख निर्धारित करने वाली इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा आयकर में कटौती जैसे प्रमुख सुधार और व्यापार समझौते, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के रूप में काम करेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था को वैश्विक उथल-पुथल से बचाएंगे। इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि अर्थव्यवस्था में अगले वित्त वर्ष में भी उच्च वृद्धि दर और कम महंगाई दर (औसतन 3.8 प्रतिशत खुदरा मुद्रास्फीति) की स्थिति बनी रहेगी।

कम शुल्क वाले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के आंकड़ों में और इजाफा होगा। एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष में आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत और बाजार मूल्य पर जीडीपी नौ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इंडिया रेटिंग्स को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय रुपया औसतन 92.26 प्रति डॉलर रहेगा जो मौजूदा वित्त वर्ष में 88.64 प्रति डॉलर से अधिक है। एजेंसी ने साथ ही कहा कि सरकार के विशेष रूप से न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) विदेशी निवेश को बढ़ावा देंगे और अधिक विदेशी निवेश को आकर्षित करके चालू खाता घाटा (सीए) को कम रखने में मदद करेंगे।

पंत ने कहा कि सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाना एवं विकसित भारत-राम-जी अधिनियम के तहत आवंटन एक फरवरी को निर्धारित 2026-27 के केंद्रीय बजट में अपेक्षित प्रमुख घोषणाएं होंगी। इसके अलावा, 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी एक फरवरी को सार्वजनिक किया जाएगा। इसमें एक अप्रैल से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर हस्तांतरण के अनुपात का सुझाव दिया गया है।

रेटिंग एजेंसी के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में कर राजस्व में दो लाख करोड़ रुपए की कमी आएगी जिसकी भरपाई गैर-कर राजस्व संग्रह और पूंजीगत व्यय में मामूली कमी से की जाएगी। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा बजट में अनुमानित 4.4 प्रतिशत और वास्तविक रूप से 15.69 लाख करोड़ रुपए रहेगा। एजेंसी के अनुसारख् संशोधित अनुमानों (आरई) में निरपेक्ष रूप से आंकड़ा बढ़ सकता है, हालांकि प्रतिशत के रूप में 4.4 प्रतिशत ही रहेगा।

ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं की क्षमता 2026 में 10 गुना होकर पांच गीगावाट पहुंचने का अनुमानः आईईएसए

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। देश में बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता में इस साल करीब 10 गुना वृद्धि होगी जिससे यह 2025 के 507 मेगावाट से बढ़कर पांच गीगावाट पर पहुंच जाएगी। मंगलवार को जारी इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस (आईएसई) के एक अध्ययन में यह बात सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार, जहां 2025 अभूतपूर्व निविदा गतिविधि से परिभाषित था वहीं 2026 वह वर्ष होगा जब उद्योग परिचालन रूप से खुद को साबित करेगा क्योंकि 2023 के मध्य से दी गई निविदाओं के अंततः 18-24 महीनों की विशिष्ट परियोजना समयसीमा के साथ चालू परिसंपत्तियों में तब्दील हो जाएगी।

इस अध्ययन पर आईईएसए की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत का ऊर्जा भंडारण क्षेत्र 2026 में एक परिवर्तनकारी उछाल के लिए तैयार है जिसमें बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता में वृद्धि 2025 में 507 मेगावाट से लगभग 10 गुना बढ़कर लगभग पांच गीगावाट (5, 000 मेगावाट) तक होने का अनुमान है।

इसमें कहा गया कि कि 2026 एक महत्वपूर्ण मोड़ है क्योंकि उद्योग निविदा प्रक्रिया से कार्यान्वयन की ओर अग्रसर है जिसमें 60 गीगावाट की परियोजनाएं कार्यान्वयन चरण में प्रवेश कर रही हैं, जबकि 2025 में संचयी क्षमता (कार्यान्वयन के तहत) में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 224 गीगावाट तक पहुंच गई। आईईएसए के अध्यक्ष देबमाल्य सेन ने बयान में कहा, "सभी की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि इन परियोजनाओं का प्रदर्शन किए गए वादों के अनुरूप है या नहीं।"

जोश हेजलवुड टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहलेँ ॑ मंए वापसी के लिए तैयार

सिडनी (**एजेंसी**)। ऑस्ट्रेलिया के टॉप तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पूरी तरह फिट हो गए हैं और बिग बैश लीग 2025-26 सीजन के बाकी मैचों के लिए सिडनी सिक्सर्स के लिए कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को सप्लीमेंट्री कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और वह टूर्नामेंट के बाकी मैचों में सिक्सर्स के लिए खेलेंगे।

सिडनी सिक्सर्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'हम केएफसी बीबीएल 15 के लिए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का सप्लीमेंट्री कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ी के तौर पर स्वागत करते हुए उत्साहित हैं।' बिग बैश लीग में एक सप्लीमेंट्री कॉन्ट्रैक्ट क्लबों को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों को साइन करने की अनुमति देता है, जिनके नेशनल टीम की कमिटमेंट्स के कारण लिमिटेड उपलब्धता होने की उम्मीद है।

यह मैकेनिज्म बीबीएल क्लबों को टॉप ऑस्ट्रेलियाई टैलेंट को हासिल करने में मदद करने के लिए पेश किया गया था, ताकि उन्हें अपनी प्राइमरी 18-सदस्यीय बेंच पर एक कीमती जगह छोड़ने या ऐसे खिलाड़ी के लिए बड़ी सैलरी-कैप हिट करने के लिए मजबूर न होना पड़े जो शायद ज़्यादा मैच न खेले।

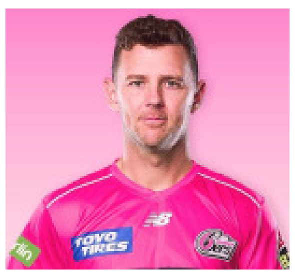

जोश हेजलवुड दुनिया के क्रिकेट में प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, जिन्होंने अपनी सटीकता, बाउंस और निरंतरता से तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। वह जिस भी टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह उनकी मौजूदगी और प्रभाव को महत्व देती है। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज का चोटों का लंबा इतिहास रहा है। हाल ही में एशेज टेस्ट सीरीज के दौरान, हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हो गए थे।

उस झटके से उबरते समय उन्हें अकिलीज की समस्या के कारण एक और झटका लगा, जिससे उनकी वापसी में और देरी हुई। बीबीएल में उनकी वापसी से उनके फैंस के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को भी राहत मिली है, जो आगामी टी20 वर्ल्ड कप में दूसरा खिताब जीतने का लक्ष्य बना रही है, जो उपमहाद्वीप में खेला जाएगा।

हेजलवुड के शामिल होने से सिडनी सिक्सर्स टीम और मजबूत होगी, खासकर जब सिडनी टेस्ट के बाद मिशेल स्टार्क और स्टीव स्मिथ के भी टीम में शामिल होने की उम्मीद है। हेजलवुड ने 2019 के बाद से बीबीएल में नहीं खेला है और उन्होंने कभी भी सिडनी सिक्सर्स के अलावा किसी अन्य फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। अपने आखिरी मैच में वह सिर्फ एक मैच में खेले थे। अनुभवी तेज गेंदबाज को आने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में भी शामिल किया गया है, जो नेशनल टीम में उनकी अहमियत को दिखाता है क्योंकि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी कर रहे हैं।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट सेंसेक्स 376 अंक टूटा, निफ्टी 26, 178 पर बंद

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार, 6 जनवरी को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट देखने को मिली। कारोबार के दौरान सेंसेक्स करीब 500 अंक तक टूट गया, जबकि निफ्टी 26, 150 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया। हैवीवेट शेयरों में मुनाफावसूली, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिका से जुड़े टैरिफ बयानों ने बाजार की धारणा को कमजोर किया।

ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिला, जिससे बाजार की गिरावट और गहरी हो गई। सेंसेक्स 376 अंक या 0.44इ गिरकर 85, 063 पर बंद हुआ। निफ्टी 71 अंक या 0.27इ टूटकर 26, 178 के स्तर पर आ गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ बढ़ाने से जुड़े बयानों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका की नाराजगी ने ग्लोबल ट्रेड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 36.25 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। हालांकि रकम बड़ी नहीं है लेकिन लगातार हो रही विदेशी बिकवाली बाजार के सेंटीमेंट और लिक्विडिटी पर दबाव बना रही है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव भी बाजार पर भारी पड़े। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी से जुड़ी खबरों के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अनिश्चितता बढ़ गई है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. वी के विजयकुमार के मुताबिक, मौजूदा हालात में निवेशकों को सतर्क रहने और पर्याप्त कैश होल्डिंग बनाए रखने की जरूरत है।

बॉलीवुड में अब प्रतिभा की राह होगी आसान? दीपिका पादुकोण ने लॉन्च किया द ऑनसेट प्रोग्राम

बॉलीवुड अभिनेत्री सह निर्माता दीपिका पादुकोण ने सोमवार को अपना जन्मदिन मनाया और इस अवसर पर एक नयी पहल शुरू की। दीपिका ने कहा कि उनकी यह पहल अगली पीढ़ी की रचनात्मक प्रतिभाओं को सशक्त बनाएगी। 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'पद्मावत', 'पिकू' और 'पठान' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं दीपिका ने अपने 'क्रिएट विद मी' मंच के अगले अध्याय द ऑनसेट प्रोग्राम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य उभरते कलाकारों को भारतीय फिल्म, टेलीविजन और विज्ञापन उद्योग में करियर बनाने के लिए सशक्त बनाना है।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा करते हुए दीपिका ने कहा, "पिछले एक साल से मैं देश और विदेश की अद्भुत रचनात्मकता की धनी प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करने के बारे में दृढ़ता से सोच रही हूं, जहां उन्हें देखा, सुना और अनुभव किया जा सके। मैं 'द ऑनसेट प्रोग्राम' के आरंभ की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं और वास्तव में आप सभी को रचनात्मक प्रतिभा की धनी अगली पीढ़ी से परिचित कराने के लिए उत्सुक हूं।"

जीवन के 40 साल पूरे करने वालीं दीपिका को उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से होनहार प्रतिभाओं को प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए भी एक मंच के रूप में काम करेगा जिनके पास अपनी परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए प्रासंगिक विशेषज्ञता और अनुभव है।

इसके अलावा एक ट्रेनिंग और मौके देने वाले इनिशिएटिव के तौर पर, द ऑनसेट प्रोग्राम को मुख्य क्रिएटिव और टेक्निकल डिपार्टमेंट में उभरते टैलेंट को पहचानने और सपोर्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके पहले फेज़ में, यह प्रोग्राम राइटिंग, डायरेक्शन, कैमरा, लाइटिंग, एडिटिंग, साउंड डिज़ाइनिंग, आर्ट डायरेक्शन, कॉस्ट्यूम डिज़ाइनिंग, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री और प्रोडक्शन को कवर करेगा।

कंगना ने फिल्म का काम फिर से शुरू किया भारत भाग्य विधाता के सेट से अपडेट शेयर किया

संसदीय कामों और बिज़ी शेड्यूल के बीच, कंगना रनौत चुपचाप उस जगह लौट आई हैं जहाँ उन्हें सबसे ज़्यादा घर जैसा महसूस होता है- एक फिल्म सेट। एक्ट्रेस-पॉलिटिशियन ने आधिकारिक तौर पर अपने अगले प्रोजेक्ट, भारत भाग्य विधाता पर काम शुरू कर दिया है, शूटिंग की एक झलक शेयर की है और एक्टिंग में अपनी वापसी की घोषणा की है। कंगना ने अपने प्रोडक्शन बैनर, मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा मूल रूप से शेयर किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट करके फैंस को अपडेट दिया।

सोमवार को, कंगना ने अपने प्रोडक्शन बैनर, मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा मूल रूप से पोस्ट किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट करके इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ एक अपडेट शेयर किया। वीडियो में कंगना सेट पर आती हुई और डायरेक्टर मनोज तपाड़िया के साथ बातचीत करती हुई दिख रही हैं, जिसमें दोनों शूटिंग से पहले सेटअप पर चर्चा करते और स्क्रिप्ट देखते हुए नज़र आ रहे हैं। क्लिप को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर रीपोस्ट करते हुए, कंगना ने लिखा, 'फिल्म सेट पर वापस आकर अच्छा लगा।' वीडियो में, वह हल्के रंग के सूट में, हाथ में कागज़ पकड़े हुए और डायरेक्टर के साथ बातचीत में पूरी तरह से व्यस्त दिख रही हैं।

भारत भाग्य विधाता के बारे में डिटेल्स अभी गुप्त रखी गई हैं। हालांकि, जब 2024 में फिल्म की घोषणा की गई थी, तो यह बताया गया था कि कंगना 'फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी जो आम लोगों की उल्लेखनीय कहानियों और उनकी असाधारण उपलब्धियों को दिखाएगी।' कंगना आखिरी बार इमरजेंसी में नज़र आई थीं, जो एक पॉलिटिकल ड्रामा था जिसे उन्होंने डायरेक्ट और को-प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म में, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था, जिसकी कहानी 1975 और 1977 के बीच 21 महीने की इमरजेंसी अवधि पर केंद्रित थी। अपने महत्वाकांक्षी विषय के बावजूद, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पाई। कास्ट में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े और मिलिंद सोमन भी शामिल थे।

पीयूष गोयल का बड़ा आरोप, 'तमिलनाडु में डीएमके सरकार कर रही सनातन धर्म का अपमान'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें तिरुप्परनकुंड्रम मंदिर के दीपपथून पर दीप प्रज्ज्वलन संबंधी न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन के आदेश को बरकरार रखा गया था। उन्होंने तमिलनाडु सरकार पर सनातन धर्म का अपमान करने, उपहास उड़ाने और उस पर हमला करने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में सनातन धर्म को ही जड़ से खत्म करने की दुस्साहसी और निंदनीय मांग की थी। उन्होंने आगे कहा कि कुछ महीनों बाद ही भगवान कार्तिकेय और भगवान मुरुगन से जुड़े तिरुप्परनकुंड्रम पर्वत पर दीप प्रज्ज्वलन पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

गोयल ने कहा कि यह महज एक संयोग नहीं है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन और डीएमके के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने लगातार सनातन धर्म की निंदा, उपहास और उस पर हमले किए हैं। 2 सितंबर 2023 को उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के उन्मूलन की एक दुस्साहसी और निंदनीय मांग रखी और उसके कुछ महीनों बाद पहली बार भगवान कार्तिकेय, भगवान मुरुगन से जुड़े तिरुपरनकुंड्रम पर्वत पर दीपक जलाने से रोका गया।

गोयल ने कहा कि यह अत्यंत संतोष की बात है कि तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ियों पर स्थित इस प्राचीन मंदिर के भक्तों को न्याय दिलाया है, जहां भगवान मुरुगन विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में अत्यंत संतोष की बात है कि तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने आज पारित खंडपीठ के आदेश में तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ियों पर स्थित इस प्राचीन मंदिर के भक्तों को न्याय दिलाया है, जहां भगवान मुरुगन विराजमान हैं। सदियों से भगवान कार्तिकेय के सम्मान में दीपक प्रज्वलित किए जाते रहे हैं और सदियों से हिंदू धर्म में भगवान की पूजा की जाती रही है और दीपक प्रज्वलित करने की यह परंपरा चली आ रही है। इस वर्ष, 4 दिसंबर, 2025 को दीपक प्रज्वलित किए जाने की उम्मीद थी।

गोयल ने जोर देकर कहा कि इस संयोग को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि राज्य सरकार ने 2024 में भी इन परंपराओं का पालन करने की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने आगे कहा कि श्रद्धालुओं ने तमिलनाडु सरकार के फैसले के खिलाफ अदालत का रुख किया और 1 दिसंबर, 2025 को न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने दीपक जलाने की प्रथा को जारी रखने की अनुमति दी।

दो हफ्ते में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के कारण बताएं सर्वोच्च न्यायालय बोला- एक्सपर्ट के साथ बैठक करे सीएक्यूएम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर गंभीर चिंता व्यक्त की और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को समाधान सुझाने से पहले बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के प्रमुख कारणों की तत्काल पहचान करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से संबंधित कई याचिकाओं की सुनवाई करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि स्पष्ट निदान के बिना, उपचारात्मक उपाय अप्रभावी रहेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने सीएक्यूएम को संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की सूची तैयार करने और दो सप्ताह के भीतर एक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि सर्वसम्मति से दिल्ली के वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों का निर्धारण किया जा सके। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि सीएक्यूएम का यह कर्तव्य है कि वह विभिन्न संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर व्यापक और आंकड़ों पर आधारित मूल्यांकन करे।

अदालत ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निष्कर्षों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए, पीठ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय वायु प्रदूषण पर स्वयं को 'सर्वोच्च विशेषज्ञ' के रूप में स्थापित नहीं करेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित निर्णय समय पर और पारदर्शी तरीके से लिए जाएं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पहला चरण कारणों की पहचान करना है। समाधान बाद में आते हैं।' उन्होंने प्रदूषण के स्रोतों के बारे में बिना सटीक जानकारी दिए अस्पष्ट या सामान्यीकृत दावों के प्रति आगाह किया।

सीएक्यूएम के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संस्था बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के कारणों की पहचान करने या दीर्घकालिक समाधानों पर काम करने में 'कोई जल्दबाजी नहीं' दिखा रही है। परिणामों की चेतावनी देते हुए, पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ मूल्यांकन और कार्रवाई में अत्यधिक देरी से केवल और अधिक जटिलताएं पैदा होंगी, खासकर तब जब दिल्ली को साल दर साल प्रदूषण संकट का सामना करना पड़ता है।

अदालत ने सीएक्यूएम को निर्देश दिया कि वह साथ ही साथ दीर्घकालिक समाधानों पर भी विचार करना शुरू करे, लेकिन केवल उन कारकों के लिए जो अधिकतम प्रदूषण में योगदान दे रहे हैं। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि इस पैमाने की बार-बार होने वाली समस्या के समाधान के लिए तात्कालिक या टुकड़ों में उठाए गए कदम पर्याप्त नहीं होंगे। अदालत ने कहा कि एक बार कारणों की पहचान और खुलासा हो जाने के बाद, जनता से सुझाव भी आमंत्रित किए जा सकते हैं, जिससे इस प्रक्रिया को विश्वसनीयता मिलेगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार से दुखी जयराम ठाकुर, जन्मदिन पर बोले- यह हिंसा असहनीय

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता (एलओपी) जय राम ठाकुर ने मंगलवार को शिमला स्थित अपने आवास पर अपना 60वां जन्मदिन मनाया। पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ठाकुर ने अपने परिवार और सहयोगियों की उपस्थिति में केक काटकर अपने जीवन के छह दशक पूरे होने का जश्न मनाया। शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए ठाकुर ने कहा कि वे आने वाले वर्षों में भी उसी समर्पण के साथ अपना सामाजिक और राजनीतिक कार्य जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, जीवन के इस मुकाम तक पहुंचने में मेरी मदद करने वाले सभी लोगों का मैं आभारी हूं। चाहे मेरा राजनीतिक और सामाजिक जीवन हो या मेरा व्यक्तिगत सफर, मुझे अपार समर्थन और सहयोग मिला है। मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश की जनता और पार्टी के प्रति आभार व्यक्त किया। सबसे पहले, मैं अपने सभी साथियों और राज्य की जनता का धन्यवाद करता हूं। मुझे हिमाचल प्रदेश की जनता का निरंतर प्रेम और स्नेह प्राप्त हुआ है, और इसी के कारण मैं अपनी यात्रा के इस मुकाम तक पहुंचा हूं। मुझे खुशी है कि यहां तक पहुंचने में मुझे पार्टी का अपार आशीर्वाद मिला है। मैं सभी का धन्यवाद करता हूं, उन्होंने आगे कहा, देवी-देवियों के आशीर्वाद से मुझे हिमाचल प्रदेश की जनता की सेवा करने का अवसर मिला। मैं भविष्य में भी सेवा करता रहूंगा। इस जन्मदिन पर मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेजे हैं।

पार्टी कार्यकर्ताओं और परिवार की भूमिका को स्वीकार करते हुए ठाकुर ने कहा, 'निःसंदेह, मुझे जो शुभकामनाएं, प्रेम और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, उसके लिए मैं पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं का आभारी हूं।

130वें संशोधन विधेयक पर जेपीसी की आज बैठक, विधि आयोग की राय

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद और 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने मंगलवार को बताया कि समिति की अगली बैठक बुधवार को होगी। उन्होंने जानकारी दी कि हैदराबाद स्थित एनएएलएसएआर, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और भारतीय विधि आयोग के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। सारंगी ने आगे कहा कि इन संस्थानों के पदाधिकारी और कुलपति बैठक में शामिल होंगे और समिति को विधेयकों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रक्रिया पर भरोसा जताते हुए सारंगी ने कहा कि संगठनों और व्यक्तियों से परामर्श शुरू हो चुका है और बुधवार से व्यापक सुनवाई का पहला दिन होगा।

लोकसभा द्वारा 130वें संविधान संशोधन विधेयक और संबंधित विधेयकों पर गठित संयुक्त संसदीय समिति की तीसरी बैठक है। कल हमने भारतीय विधि आयोग, दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और हैदराबाद स्थित एनएएलएसएआर को आमंत्रित किया है। पदाधिकारी और कुलपति आएंगे और समिति को विधेयकों पर अपनी राय प्रस्तुत करेंगे। मुझे लगता है कि संगठनों और व्यक्तियों की बात सुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और कल पहला दिन है जब हम सभी की बात सुनेंगे।

मान चौथे मुख्यमंत्री, जो अकाल तख्त पर पेश होंगे, पंजाब में आप के लिए अग्निपरीक्षा का समय

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 15 जनवरी को सचिवालय में पेश होने के लिए तलब किया है। उन पर 'सिख विरोधी टिप्पणी', 'आपत्तिजनक आचरण' और हाल ही में सामने आए एक वीडियो का आरोप है, जिसके बारे में तख्त का कहना है कि इससे सिखों की भावनाओं को गहरा ठेस पहुंची है। मान ने लिखा श्री अकाल तख्त साहिब जी का कोई भी आदेश पूर्ण श्रद्धा के साथ स्वीकार किया जाता है और उसका पालन किया जाएगा। मैं श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष नंगे पैर चलूंगा। मान ने कहा कि यद्यपि राष्ट्रपति 15 जनवरी को अमृतसर के गुरु नानक देव विश्वविद्यालय का दौरा कर रहे हैं, फिर भी वे तक़्त के आदेश का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरे लिए श्री अकाल तक़्त साहिब जी सर्वोपरि हैं। पवित्र तक़्त से प्राप्त आदेश मेरे और मेरे परिवार के लिए सर्वोपरि है, था और रहेगा। अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज ने सोमवार को उन्हें 'गुरु की गोलक' (गुरुद्वारे का दान-पात्र) को लेकर कथित टिप्पणियां करने और 'सिख गुरुओं' और मारे गए उग्रवादी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ 'आपत्तिजनक गतिविधियों' में शामिल होने के आरोप में तलब किया। सिखों की सर्वोच्च

सांसारिक पीठ के जत्थेदार ने कहा कि मान ने जानबूझकर एंटी-सिख मानसिकता का प्रदर्शन किया और 'दसवंध' के सिद्धांत यानी आय का 10इ पूजा-स्थल को दान करने की परंपरा के खिलाफ बार-बार आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। मान अकाल तख्त द्वारा तलब किए जाने वाले दूसरे मौजूदा पंजाब मुख्यमंत्री है। 1980 के दशक में सुरजीत बरनाला के खिलाफ ऐसी कार्रवाई हुई थी।मान को अप्रत्याशित क्षेत्रों से समर्थन मिला। भाजपा ने अकाल तक़्त के समन की आलोचना की, और पार्टी के पंजाब प्रवक्ता सरचंद सिंह ने इसे शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेताओं और श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 328 लापता पवित्र स्वरूपों के मामले में गिरफ्तार किए जाने वाले लोगों को बचाने के लिए एक 'सुनियोजित साजिश' बताया।

जैशे मोहम्मद का नया वीडियो

कलमा, सीने पर ग्रेनेड, अल्लाह के नाम पर जैश ने बच्चों को बारूद बना दिया!

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। जैश की आतंकी साजिश का नया वीडियो सामने आया। बच्चों को आतंकी बनाने का यह वीडियो आया है। खबर तो यह भी है कि कट्टरपंथी का जो कोर्स है वो पूरा होने के बाद इनाम भी दिया जाएगा। यह कहा जा रहा था जैश के आतंकियों ने बच्चों को इनाम बांटे हैं। इस्लामिक आतंकवाद की ट्रेनिंग दी गई है बच्चों को और सिर्फ ट्रेनिंग नहीं दी गई। बल्कि उनको यह भी कहा गया कि आपका कोर्स पूरा हो जाएगा तो आपको इसके बदले इनाम दिया जाएगा। सोचिए छोटे-छोटे मासूम बच्चों को कैसे आतंकी दिल में शौक शहादत लेके कलमा पढ़ के और अल्लाह से मोहब्बत का दावा करके कहता है अल्लाह मैं आ रहा हूं जन्नत को सजा ले।

जैश और तहरीक ए तालिबान दोनों संगठन एक ही कट्टरपंथी सोच को मानते हैं और उनके तार पाकिस्तानी सरकार से जुड़े हैं। फर्क सिर्फ टारगेट चुनने का है। एक को भारत पर छोड़ा जाता है। दूसरा पाकिस्तान में ही खून बहाता है। कौन भूल सकता है जब टीटीपी के आतंकियों ने एक सैनिक स्कूल में घुसकर करीब 150 मासूम बच्चों को छलनी कर दिया था। लेकिन पाकिस्तान में ऐसा होना आम बात है। वहां ऐसे लोगों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई जाती है। समाज के समर्थन से आतंकी संगठन, मासूम बच्चों को आतंकवादी बनने का कोर्स करवाते हैं, उन्हें ब्रेनवॉश करते हैं और फिर देश और दुनिया में सौ-दो सौ को लेकर फट जाने के लिए उन्हें छोड़ देते हैं।

जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैंप का है। जहां एक लाइन में एक मुख्य आतंकी खड़ा है और उसके साथ 15-20 साल के दर्जनों बच्चे खड़े हैं। बैकग्राउंड में लाउडस्पीकर पर ऐलान हो रहा है कि जब मुजाहिद तलवार लेके, हाथ में बंदूक उठाके, सीने पर मैगजीन सजा के, ग्रेनेड लगाके, दिल में शौक-ए-शहादत लेके, कलमा पढ़ के, और अल्लाह के मोहब्बत का दावा करके जब कहता है, अल्लाह मैं आ रहा हूं, तुम्हारे जन्नत को सजाने। उस वक्त जमीन भी कांपती है, आसमान भी झूम उठता है। कैसे सिखाया जा रहा है ब्रेन वाश बकायदा उनका किया जा रहा है और उसके बाद उन्हें इनाम दिया जाएगा यह भी घोषणा की गई छोटे-छोटे आठ मासूम बच्चों की तस्वीरें आप देखिए और इसमें बच्चों उनके दिमागों में कैसे जहर घोला जा रहा है। कैसी तकरीरें उसके उनके अंदर डाली जा रही है।

कराची प्रशासन का अल्टीमेटम- फुटपाथ खाली करो वरना होगी प्राथमिकी, कारोबारियों में बढ़ा तनाव

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। कराची में अधिकारियों ने अतिक्रमण विरोधी अभियान का दायरा बढ़ाते हुए तिब्बत सेंटर के पास एमए जिन्ना रोड पर स्थित ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स मार्केट को सील कर दिया है। डॉन अखबार के अनुसार, शहर के अन्य हिस्सों में भी सैकड़ों दुकानें सील की गई हैं। यह कार्रवाई अकबर रोड पर स्थित पूरे मोटरसाइकिल बाजार को सील करने के बाद की गई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इस व्यापक अभियान से पूरे शहर में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। इस अभियान से सड़क किनारे स्थित ढाबों के साथ-साथ उन व्यापारियों पर भी असर पड़ा है जो कर राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिससे इसके पैमाने और प्रभाव पर सवाल उठ रहे हैं। डॉन द्वारा उद्धृत जानकारी के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स मार्केट में मरम्मत के लिए खड़ी गाड़ियां मुख्य सड़क पर अतिक्रमण कर रही थीं, जिसके कारण यातायात जाम हो रहा था। इसके बाद 86 दुकानों को सील कर दिया गया।

अधिकारियों ने अकबर रोड मोटरसाइकिल बाजार में 115 दुकानों को सील करने के लिए भी इसी तरह के कारण बताए, जो सोमवार को भी बंद रहा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि शहर के व्यावसायिक क्षेत्रों मं दर्जनों अन्य दुकानें भी सील कर दी गईं। दक्षिण के उपायुक्त जावेद नबी खोसो ने बताया कि तिब्बत केंद्र के पास के दुकानदारों को अपनी दुकानों के सामने अतिक्रमण हटाने के लिए तीन चेतावनी जारी की गई थीं। उन्होंने दावा किया कि सड़क किनारे काम करने वाले मैकेनिक और इलेक्ट्रीशियन ज्यादातर दुकान

मालिकों द्वारा व्यवसाय बढ़ाने के लिए रखे जाते हैं। उन्होंने कहा, वाहनों की दोहरी पार्किंग के कारण सड़क पर बहुत भीड़ हो गई थी, जिससे यातायात बाधित हो रहा था।

सोमवार को हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जो दुकानदार मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुपालन का लिखित आश्वासन देने वाले हलफनामे प्रस्तुत करने में विफल रहेंगे, उन्हें दुकानें दोबारा खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिन दुकानों ने उपायुक्तों को वचन पत्र प्रस्तुत किए हैं, उन्हें चरणबद्ध तरीके से संचालन फिर से शुरू करने की अनुमति दी जाएगी। डॉन द्वारा प्रकाशित निर्णय के अनुसार, मानक संचालन प्रक्रियाओं के किसी भी उल्लंघन के परिणामस्वरूप परिसर को तीन दिनों के लिए सील कर दिया जाएगा। डीसी-दक्षिण ने आगे चेतावनी दी कि हलफनामे प्रस्तुत करने के बाद, एसओपी के किसी भी बाद के उल्लंघन पर उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ गिरफ्तारी और एफआईआर दर्ज की जाएगी।

भारत-चीन के बीच बने मिलिट्री बफर जोन के करीब ई इमारतें बना रहा चीन

बीजिंग **(एजेंसी)**। पूर्वी लद्दाख के बर्फीले और रणनीतिक रूप से संवेदनशील इलाके पैंगोंग त्सो में चीन की गतिविधियां एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाई-रिज़ॉल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरों से सामने आया है कि चीन इस विवादित क्षेत्र में अपनी स्थायी सैन्य मौजूदगी को लगातार मजबूत कर रहा है। यह निर्माण उस इलाके के पास हो रहा है, जो 1962 के युद्ध के बाद से चीन के नियंत्रण में है, हालांकि भारत आज भी इसे अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है।

ताज़ा तस्वीरों में पैंगोंग त्सो झील के किनारे एक नए परिसर का निर्माण साफ दिखाई देता है, जिसमें कई पक्की इमारतें खड़ी की जा रही हैं। ये ढांचे पानी से महज कुछ मीटर की दूरी पर हैं। इसका महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि इससे चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को मौजूदा बफर जोन के बेहद पास अधिक संसाधन और सैन्य साजो-सामान तैनात करने की सुविधा मिल सकती है। इस इलाके में चीन ने वर्ष 2013 में सड़क नेटवर्क विकसित किया था, जिसका इस्तेमाल शुरुआती दौर में दोनों देशों की सेनाएं गश्त के लिए करती थीं। लेकिन मई 2020 में हुए सीमा गतिरोध के बाद भारतीय गश्ती दलों की यहां मौजूदगी रुक गई। तभी से चीन ने इस क्षेत्र में अपनी पकड़ और मजबूत करने की दिशा में कदम तेज कर दिए। 2020 के बाद से चीनी सेना ने यहां अस्थायी ढांचों का इस्तेमाल किया, जिनमें सैनिकों के रहने की व्यवस्था, झील में आवाजाही के लिए नावें और एक पियर शामिल था। हालिया सैटेलाइट तस्वीरों में पुराने अस्थायी ढांचों के साथ-साथ नए स्थायी निर्माण स्थल भी साफ नजर आते हैं। दिसंबर के अंत की तस्वीरों में निर्माण कार्य तेज होता दिख रहा है, जबकि जून में झील के पास दिखने वाली नावें अब ढकी हुई और पानी से दूर खड़ी दिखाई दे रही हैं, संभवतः सर्दियों में झील के जमने की आशंका के चलते।

भारत पर ट्रंप की टिप्पणी से भड़की अमेरिकी गायिका प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में खुलकर उठाई आवाज

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणी पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस कड़ी में अमेरिका की प्रसिद्ध और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित गायिका मैरी मिलबेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई है। मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का मौजूदा रुख गलत सलाह का नतीजा प्रतीत होता है। यह प्रतिक्रिया उस बयान के बाद आई, जिसमें ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था, 'वे मुझे खुश करना चाहते थेष्ठ प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वे जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं। व्यापार के मामले में हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं।' इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मिलबेन ने लिखा, 'ट्रंप अपने दिल में प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से भारत के प्रति उनके दृष्टिकोण पर उन्हें गलत सलाह दी जा रही है। मैं राष्ट्रपति के लिए प्रार्थना कर रही हूं।' मैरी मिलबेन ने प्रधानमंत्री मोदी का मजबूती से बचाव करते हुए कहा कि उन्हें न तो भारत के भीतर विपक्ष की हर टिप्पणी का जवाब देने की जरूरत है और न ही किसी विदेशी नेता की धमकी या बयान पर प्रतिक्रिया देने की। उन्होंने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति की हर टिप्पणी या धमकी का जवाब देने की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री को केवल भारतीय जनता को जवाब देना है। बस। वे लॉन्ग गेम डिप्लोमेसी को अच्छी तरह समझते हैं।'

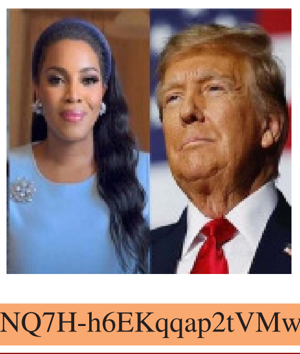

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. टीएमसी/सीपीओएच/प्रया./25-26/08 — दिनांक : 03.01.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/सी0पी0ओ0एच/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 27.01.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

निविदा नं. : टीएमसी-सीपीओएच-प्रया-13-25-26

कार्य का विवरण : सीपीओएच कार्यशाला, प्रयागराज में कार्य अनुसूची के अनुसार विभिन्न विद्युत संयंत्र और मशीनरी का रखरखाव और मरम्मत का कार्य।

अनुमानित मूल्य (रू.) : 48,80,797.35	कार्य समापन की अवधि : 24 माह
बयाना राशि (रू.) 97,600.00	निविदा खुलने की तिथि : 27.01.2026
निविदा प्रपत्र की लागत (रू.) : निल	पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य : निल

नोट : 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर क्रमशः समय 15:00 बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 5. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 6. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। 7. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी। 8. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 9. आन लाइन निविदा दिनांक 27.01.2026 समय 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 29/26 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।